राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment

Test Date : 23 Feb 2023 **Test Slot :** Slot 2

Subject : 73-Sanskrit traditional subjects (including) Jyotisha/Sidhanta Jyotish/ Navya Vyakarna/ Vyakarna/ Mimansa/ Navya Nyaya/ Sankhya Yoga/ Tulanatmaka Darsan/ Shukla Yajurveda/ Madhav Vedant/ Dharmasasta/ Sahitya/ Puranotihasa /Agama).

Sl. No.1
QBID:73001

'दर्शवातम्' इत्यत्र का स्वरभक्तिः?

1. कुर्विणी
2. हरिता
3. हंसपदा
4. हरिणी

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=22101]
2[Option ID=22102]
3[Option ID=22103]
4[Option ID=22104]

Sl. No.2
QBID:73002

याज्ञवल्क्यशिक्षानुसारेण कति स्वरभक्तयो भवन्ति?

1. षड्
2. पञ्च
3. तिस्रः
4. अष्टौ

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=22105]
2[Option ID=22106]
3[Option ID=22107]
4[Option ID=22108]

Sl. No.3
QBID:73003

सत्त्वपुरुषयोः बुद्धिसाम्ये किं भवति?

1. योगः
2. समाधिः
3. कैवल्यम्
4. वैराग्यम्

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=22109]
2[Option ID=22110]
3[Option ID=22111]
4[Option ID=22112]

Sl. No.4
QBID:73004

सांख्ये बुद्धिर्भवति-

1. संशयात्मिका
2. विपर्ययात्मिका
3. अनध्यवसायात्मिका
4. अध्यवसायात्मिका

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22113]
2[Option ID=22114]
3[Option ID=22115]
4[Option ID=22116]

Sl. No.5
QBID:73005

उपादानग्रहणात् कस्य सिद्धिर्भवति?

1. असत्कार्यवादस्य
2. सत्कार्यवादस्य
3. आरम्भवादस्य
4. विवर्तवादस्य

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22117]
2[Option ID=22118]
3[Option ID=22119]
4[Option ID=22120]

Sl. No.6
QBID:73006

किन्नाम पारिमाण्डल्यम्?

1. द्व्यणुकम्
2. अणुपरिमाणम्
3. त्र्यणुकम्
4. त्रसरेणुपरिमाणम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22121]
2[Option ID=22122]
3[Option ID=22123]
4[Option ID=22124]

Sl. No.7
QBID:73007

अन्तःकरणोपहितं चैतन्यं कथ्यते-

1. ईश्वरः
2. जीवसाक्षी
3. जीवः
4. विश्वः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22125]
2[Option ID=22126]
3[Option ID=22127]
4[Option ID=22128]

Sl. No.8
QBID:73008

अद्वैतवेदान्ते 'ब्रह्म' अस्ति-

1. जगतः केवलं निमित्तकारणम्
2. केवलम् उपादानकारणम्
3. अभिन्ननिमित्तोपादानकारणम्
4. समवायिकारणम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22129]
2[Option ID=22130]
3[Option ID=22131]
4[Option ID=22132]

Sl. No.9
QBID:73009

तमसो द्रव्यान्तरत्वं कः स्वीकरोति?

1. जगदीशतर्कालङ्कारः
2. मुरारिमिश्रः
3. जयन्तभट्टः
4. कुमारिलभट्टः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22133]
2[Option ID=22134]
3[Option ID=22135]
4[Option ID=22136]

Sl. No.10
QBID:73010

न्याये भूतत्वं कुतो न जातिः?

1. व्यक्तेरभेदात्
2. साङ्कर्यात्
3. तुल्यत्वात्
4. असम्बन्धात्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22137]
2[Option ID=22138]
3[Option ID=22139]
4[Option ID=22140]

Sl. No.11
QBID:73011

स्पर्शरसगन्धवन्तः के?

1. पुद्गलाः
2. बन्धाः
3. जीवाः
4. स्कन्धाः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22145]
2[Option ID=22146]
3[Option ID=22147]
4[Option ID=22148]

Sl. No.12
QBID:73012

प्रत्यभिज्ञादर्शनमते अर्थक्रियाः कतिधा?

1. द्विविधा
2. त्रिविधा
3. चतुर्विधा
4. सप्तविधा

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22149]
2[Option ID=22150]
3[Option ID=22151]
4[Option ID=22152]

Sl. No.13
QBID:73013

घटरूपं प्रति असमवायिकारणं किम् ?

1. कपालम्
2. कपालरूपम्
3. घटः
4. घटत्वम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22153]
2[Option ID=22154]
3[Option ID=22155]
4[Option ID=22156]

Sl. No.14
QBID:73014

अनवधारणं ज्ञानं किम्?

1. प्रत्यक्षम्
2. तर्कः
3. संशयः
4. विपर्ययः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22157]
2[Option ID=22158]
3[Option ID=22159]
4[Option ID=22160]

Sl. No.15
QBID:73015

बौद्धनये प्रमाणं भवति?

1. विसंवादज्ञानम्
2. अविसंवादज्ञानम्
3. श्रुतिविषयकं ज्ञानम्
4. कल्पनाऽपोढमभ्रान्तं ज्ञानम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22161]
2[Option ID=22162]
3[Option ID=22163]
4[Option ID=22164]

Sl. No.16
QBID:73016

ब्रह्मशब्दः सविशेषस्य वाचक इति कस्य मतम्?

1. शङ्कराचार्यस्य
2. रामानुजाचार्यस्य
3. गौडपादाचार्यस्य
4. पद्मनाभपण्डितस्य

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22165]
2[Option ID=22166]
3[Option ID=22167]
4[Option ID=22168]

Sl. No.17
QBID:73017

'मृच्छकटिकम्' नाटके प्रथमाङ्कस्य नाम किम्?

1. द्यूतकरसंवाहकः
2. सन्धिविच्छेदः
3. प्रवहण-विपर्ययः
4. अलङ्कारन्यासः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22169]
2[Option ID=22170]
3[Option ID=22171]
4[Option ID=22172]

Sl. No.18
QBID:73018

अप्राकरणिकस्याभिधानेन प्राकरणिकस्याऽऽक्षेपः यत्र भवति तत्र कः अलङ्कारः?

1. आक्षेपालङ्कारः
2. अर्थान्तरन्यासः
3. पर्यायोक्तिः
4. अप्रस्तुतप्रशंसा

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22173]
2[Option ID=22174]
3[Option ID=22175]
4[Option ID=22176]

Sl. No.19
QBID:73019

'साधर्म्यमुपमा भेदे' इत्यत्र भेदशब्दस्य ग्रहणं किमर्थम्?

1. उपमेयोपमालङ्कारव्यवच्छेदाय
2. रूपकालङ्कारव्यवच्छेदाय
3. अनन्वयालङ्कारव्यवच्छेदाय
4. व्यतिरेकालङ्कारव्यवच्छेदाय

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22177]
2[Option ID=22178]
3[Option ID=22179]
4[Option ID=22180]

Sl. No.20
QBID:73020

कस्य आचार्यस्य मते काव्यं चतुर्विधं भवति?

1. मम्मटाचार्यस्य
2. आनन्दवर्धनाचार्यस्य
3. पण्डितराजजगन्नाथाचार्यस्य
4. विश्वनाथाचार्यस्य

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22181]
2[Option ID=22182]
3[Option ID=22183]
4[Option ID=22184]

Sl. No.21
QBID:73021

शाब्दीभावनायाः साध्यं किम्?

1. स्वर्गः
2. लिङ्गादिज्ञानम्
3. अंशत्रयोपेता आर्थीभावना
4. धर्मः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22185]
2[Option ID=22186]
3[Option ID=22187]
4[Option ID=22188]

Sl. No.22
QBID:73022

अधोलिखितेषु परिसंख्यायाः उदाहरणं किम्?

1. यजेत स्वर्गकामः
2. दध्ना जुहोति
3. व्रीहीनवहन्ति
4. पञ्च पञ्चनखाः भक्ष्याः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22189]
2[Option ID=22190]
3[Option ID=22191]
4[Option ID=22192]

Sl. No.23
QBID:73023

'अग्निर्हिमस्य भेषजम्' इति कस्य अर्थवादस्य उदाहरणम्?

1. गुणवादस्य
2. अनुवादस्य
3. भूतार्थवादस्य
4. वेदवादस्य

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22193]
2[Option ID=22194]
3[Option ID=22195]
4[Option ID=22196]

Sl. No.24
QBID:73024

'वा शरि' इत्यनेन भवति-

1. शरि परतः विसर्जनीयस्य सकार एव
2. शरि परतः विसर्जनीयस्य विकल्पेन विसर्जनीयः
3. शरि परतः विसर्जनीयस्य शकार एव
4. शरि परतः सकारस्य विकल्पेन विसर्जनीयः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22197]
2[Option ID=22198]
3[Option ID=22199]
4[Option ID=22200]

Sl. No.25
QBID:73025

'पञ्च गावो धनं यस्य, स पञ्चगवधनः' इत्यत्र 'तद्धितार्थोत्तरपदसमाहारे च' इति सूत्रेण समासो भवति?

1. उत्तरपदे परतः
2. तद्धितार्थे विषये
3. समाहारे गम्यमाने
4. सामान्यधर्मवाचिनि उत्तरपदे

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22201]
2[Option ID=22202]
3[Option ID=22203]
4[Option ID=22204]

Sl. No.26
QBID:73026

कर्मसंज्ञा-विधायकं सूत्रं नास्ति-

1. अभिनिविशश्च
2. हीने
3. तथायुक्तं चानीप्सितम्
4. हृक्रोरन्यतरस्याम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22205]
2[Option ID=22206]
3[Option ID=22207]
4[Option ID=22208]

Sl. No.27
QBID:73027

'इतो मनुष्यजातेः' सूत्रेण विधीयते-

1. 'ङीष्' प्रत्ययः
2. 'ङीप्' प्रत्ययः
3. 'ङीन्' प्रत्ययः
4. 'इनि' प्रत्ययः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22209]
2[Option ID=22210]
3[Option ID=22211]
4[Option ID=22212]

Sl. No.28
QBID:73028

धर्मशास्त्रे व्यवहारप्रकरणे द्रव्यसमुदायविषयाणामनेकस्वाम्यानां तदेकदेशेषु व्यवस्थापनं किम्?

1. व्यवहारः
2. विभागः
3. प्रतिभूः
4. व्यापारः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22213]
2[Option ID=22214]
3[Option ID=22215]
4[Option ID=22216]

Sl. No.29
QBID:73029

सम्भूयसमुत्थानं कुत्र वर्णितम्?

1. आचारपादे
2. विचारपादे
3. प्रचारपादे
4. व्यवहारपादे

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22217]
2[Option ID=22218]
3[Option ID=22219]
4[Option ID=22220]

Sl. No.30
QBID:73030

अन्यविरोधेन स्वात्मसम्बन्धितया कथनं किम्?

1. आचारः
2. व्यवहारः
3. प्रायश्चित्तम्
4. अधिकारः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22221]
2[Option ID=22222]
3[Option ID=22223]
4[Option ID=22224]

Sl. No.31
QBID:73031

विज्ञानेश्वरमते कियन्तः स्मार्तधर्माः कतिविधाः भवन्ति?

1. त्रिविधाः
2. षड्विधाः
3. पञ्चविधाः
4. अष्टविधाः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22225]
2[Option ID=22226]
3[Option ID=22227]
4[Option ID=22228]

Sl. No.32
QBID:73032

कुम्भराशेः स्वामी कः?

1. बृहस्पतिः
2. मङ्गलः
3. बुधः
4. शनिः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22229]
2[Option ID=22230]
3[Option ID=22231]
4[Option ID=22232]

Sl. No.33
QBID:73033

शनिग्रहस्य उच्चराशिः कः?

1. मीनः
2. तुला
3. मकरः
4. मेषः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22233]
2[Option ID=22234]
3[Option ID=22235]
4[Option ID=22236]

Sl. No.34
QBID:73034

मूलनक्षत्रं भवति-

1. स्वाती
2. शतभिषा
3. विशाखा
4. रेवती

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22237]
2[Option ID=22238]
3[Option ID=22239]
4[Option ID=22240]

Sl. No.35
QBID:73035

एकस्मिन् अहोरात्रे कति मुहूर्ताः भवन्ति?

1. 30
2. 20
3. 60
4. 120

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22241]
2[Option ID=22242]
3[Option ID=22243]
4[Option ID=22244]

Sl. No.36
QBID:73036

एकस्मिन् कल्पे कति महायुगाः?

1. 500
2. 1000
3. 10,000
4. 9000

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22245]
2[Option ID=22246]
3[Option ID=22247]
4[Option ID=22248]

Sl. No.37
QBID:73037

सिद्धान्तशेखरस्य रचयिता कः ?

1. भास्करः
2. नीलम्बरः
3. श्रीपतिः
4. केशवः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22249]
2[Option ID=22250]
3[Option ID=22251]
4[Option ID=22252]

Sl. No.38
QBID:73038

महाभारते शकुन्तलोपाख्यानं कस्मिन् पर्वणि अस्ति?

1. उद्योगपर्वणि
2. आदिपर्वणि
3. सभापर्वणि
4. शल्यपर्वणि

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22253]
2[Option ID=22254]
3[Option ID=22255]
4[Option ID=22256]

Sl. No.39
QBID:73039

महाभारते सैवलः इति कस्याभिधानम्?

1. दुर्योधनस्य
2. भीमस्य
3. घटोत्कचस्य
4. शकुनेः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22257]
2[Option ID=22258]
3[Option ID=22259]
4[Option ID=22260]

Sl. No.40
QBID:73040

याज्ञवल्क्यशिक्षानुसारेण को हि रङ्गः?

1. द्वित्ववर्णः
2. सविसर्गकः
3. अर्धानुस्वारः
4. पूर्णन्युब्जः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22261]
2[Option ID=22262]
3[Option ID=22263]
4[Option ID=22264]

Sl. No.41
QBID:73041

सांख्यमते कर्मेन्द्रियेषु परिगणिते स्तः-

A. श्रोत्रम्

B. वाक्

C. रसनम्

D. पाणिः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. B, C केवलम्
2. C, D केवलम्
3. A, B केवलम्
4. B, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22265]
2[Option ID=22266]
3[Option ID=22267]
4[Option ID=22268]

Sl. No.42
QBID:73042

ऋग्वेदस्य आरण्यकग्रन्थौ स्तः-

A. बृहदारण्यकम्

B. ऐतरेयम्

C. तैत्तिरीयम्

D. शाङ्खायनम्

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. B, D केवलम्
2. B, C केवलम्
3. A, C केवलम्
4. A, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22269]
2[Option ID=22270]
3[Option ID=22271]
4[Option ID=22272]

Sl. No.43
QBID:73043

पञ्चक्लेशेषु परिगणितौ भवतः-

A. अहिंसा

B. रागः

C. दमः

D. द्वेषः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. B, C केवलम्
2. A, D केवलम्
3. B, D केवलम्
4. C, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22273]
2[Option ID=22274]
3[Option ID=22275]
4[Option ID=22276]

Sl. No.44
QBID:73044

पञ्चविपर्ययेषु भवतः -

A. सत्त्वम्

B. तमः

C. मोहः

D. तुष्टिः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, D केवलम्
4. B, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22277]
2[Option ID=22278]
3[Option ID=22279]
4[Option ID=22280]

Sl. No.45
QBID:73045

निग्रहस्थानेषु परिगणिते स्तः -

A. प्रतिज्ञाहानिः

B. उत्कर्षः

C. अपकर्षः

D. हेत्वाभासः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. B, D केवलम्
2. C, D केवलम्
3. A, B केवलम्
4. A, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22281]
2[Option ID=22282]
3[Option ID=22283]
4[Option ID=22284]

Sl. No.46
QBID:73046

अधोलिखितेषु द्रव्ये स्तः-

A. परिमाणम्

B. मनः

C. प्रसारणम्

D. तेजः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. B, C केवलम्
2. B, D केवलम्
3. A, D केवलम्
4. C, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22285]
2[Option ID=22286]
3[Option ID=22287]
4[Option ID=22288]

Sl. No.47
QBID:73047

जातिबाधकेषु परिगणिते स्तः-

A. सङ्करः

B. असम्भवः

C. अतिप्रसक्तिः

D. असम्बन्धः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, C केवलम्
2. B, C केवलम्
3. D, B केवलम्
4. A, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22289]
2[Option ID=22290]
3[Option ID=22291]
4[Option ID=22292]

Sl. No.48
QBID:73048

अन्तःकरणस्य शक्तिरस्ति-

A. सङ्कल्पशक्तिः

B. ध्यानशक्तिः

C. ज्ञानशक्तिः

D. क्रियाशक्तिः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, C केवलम्
2. C, D केवलम्
3. B, C केवलम्
4. A, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22293]
2[Option ID=22294]
3[Option ID=22295]
4[Option ID=22296]

Sl. No.49
QBID:73049

विधिशेष-अर्थवादे सम्बद्ध्यते-

A. आदित्यो यूपः।

B. वायव्यं श्वेतमालभेत भूतिकामः।

C. बर्हिषि रजतं न देयम्।

D. वायुर्वै क्षेपिष्ठा देवता।

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. B, D केवलम्
4. A, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22297]
2[Option ID=22298]
3[Option ID=22299]
4[Option ID=22300]

Sl. No.50
QBID:73050

योगदर्शने नियमेषु परिगणितौ वर्तेते-

A. अपरिग्रहः

B. स्वाध्यायः

C. सन्तोषः

D. विकल्पः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, D केवलम्
2. B, D केवलम्
3. A, B केवलम्
4. B, C केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22301]
2[Option ID=22302]
3[Option ID=22303]
4[Option ID=22304]

Sl. No.51
QBID:73051

जैनदर्शनसिद्धान्तः अस्ति-

A. एकान्तवादः

B. सप्तभङ्गीनयः

C. विज्ञानवादः

D. स्याद्वादः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, C केवलम्
2. B, D केवलम्
3. A, D केवलम्
4. C, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22305]
2[Option ID=22306]
3[Option ID=22307]
4[Option ID=22308]

Sl. No.52
QBID:73052

इमे स्वरभक्ती स्तः-

A. हरिता

B. भाविनी

C. कुर्विणी

D. विजया

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. A, C केवलम्
4. C, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22309]
2[Option ID=22310]
3[Option ID=22311]
4[Option ID=22312]

Sl. No.53
QBID:73053

विवृत्तेरुदाहरणे स्तः-

A. य S ईशे

B. आखुस्ते

C. भवति

D. गोजा S ऋतुजा

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. A, D केवलम्
3. B, C केवलम्
4. A, C केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22313]
2[Option ID=22314]
3[Option ID=22315]
4[Option ID=22316]

Sl. No.54
QBID:73054

सामवेदस्य प्रसिद्धौ प्रातिशाख्यग्रन्थौ स्तः -

A. माहिषेयम्

B. ऋक्तन्त्रम्

C. चतुरध्यायिका

D. पुष्पसूत्रम्

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, C केवलम्
2. C, D केवलम्
3. B, D केवलम्
4. C, A केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22317]
2[Option ID=22318]
3[Option ID=22319]
4[Option ID=22320]

Sl. No.55
QBID:73055

पञ्चमहायज्ञेन सम्बद्धौ स्तः -

A. मनुष्ययज्ञः

B. दर्शपूर्णमासयज्ञः

C. ब्रह्मयज्ञः

D. चातुर्मास्ययज्ञः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, C केवलम्
2. B, A केवलम्
3. D, C केवलम्
4. A, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22321]
2[Option ID=22322]
3[Option ID=22323]
4[Option ID=22324]

Sl. No.56
QBID:73056

अथर्ववेदे इमे प्राप्येते -

A. दुन्दुभिसूक्तम्

B. हिरण्यगर्भसूक्तम्

C. शिवसङ्कल्पसूक्तम्

D. स्कम्भसूक्तम्

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. B, C केवलम्
2. A, D केवलम्
3. C, D केवलम्
4. A, C केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22325]
2[Option ID=22326]
3[Option ID=22327]
4[Option ID=22328]

Sl. No.57
QBID:73057

महापुराणं चिनुत-

A. कालिकापुराणम्

B. विष्णुधर्मोत्तरपुराणम्

C. वायुपुराणम्

D. मत्स्यपुराणम्

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, D केवलम्
4. B, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22329]
2[Option ID=22330]
3[Option ID=22331]
4[Option ID=22332]

Sl. No.58
QBID:73058

अर्थशास्त्रे उपधापरीक्षासु परिगण्यते -

A. मन्त्रोपधा

B. मदोपधा

C. धर्मोपधा

D. कामोपधा

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, D केवलम्
4. A, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22333]
2[Option ID=22334]
3[Option ID=22335]
4[Option ID=22336]

Sl. No.59
QBID:73059

विवादपदेषु धर्मशास्त्रे परिगण्यते-

A. सिद्धिपादः

B. विक्रियासम्प्रदानम्

C. सम्प्रतिपत्तिः

D. संविद्व्यतिक्रमः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. B, D केवलम्
4. C, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22337]
2[Option ID=22338]
3[Option ID=22339]
4[Option ID=22340]

Sl. No.60
QBID:73060

सूर्यस्य मित्रग्रहौ भवतः-

A. शनिः

B. चन्द्रः

C. गुरुः

D. बुधः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, D केवलम्
4. A, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22341]
2[Option ID=22342]
3[Option ID=22343]
4[Option ID=22344]

Sl. No.61
QBID:73061

क्षिप्रनक्षत्रे स्तः-

A. विशाखा

B. चित्रा

C. अश्विनी

D. हस्तः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. C, D केवलम्
3. B, D केवलम्
4. B, C केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22345]
2[Option ID=22346]
3[Option ID=22347]
4[Option ID=22348]

Sl. No.62
QBID:73062

'वृद्धिरेचि' इति सूत्रस्य उदाहरणम् अस्ति -

A. उपैति

B. गङ्गौघः

C. तथैव

D. प्रार्च्छति

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, D केवलम्
4. A, C केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22349]
2[Option ID=22350]
3[Option ID=22351]
4[Option ID=22352]

Sl. No.63
QBID:73063

सम्प्रदानसंज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति-

A. रुच्यर्थानां प्रीयमाणः

B. स्पृहेरीप्सितः

C. तुमर्थाच्च भाववचनात्

D. क्रियार्थोपपदस्य च कर्मणि स्थानिनः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. A, C केवलम्
4. B, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22353]
2[Option ID=22354]
3[Option ID=22355]
4[Option ID=22356]

Sl. No.64
QBID:73064

चम्पूकाव्यकर्तारं चिनुत -

A. गुणाढ्यः

B. त्रिविक्रमभट्टः

C. सोमदेवसूरिः

D. भट्टनारायणः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, D केवलम्
4. D, A केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22357]
2[Option ID=22358]
3[Option ID=22359]
4[Option ID=22360]

Sl. No.65
QBID:73065

मल्लिनाथस्य टीका समुपलभ्यते-

A. मृच्छकटिके

B. मेघदूते

C. कुमारसम्भवे

D. जानकीहरणे

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A, B केवलम्
2. B, C केवलम्
3. C, D केवलम्
4. B, D केवलम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22361]
2[Option ID=22362]
3[Option ID=22363]
4[Option ID=22364]

Sl. No.66
QBID:73066

समुचितं मेलयत-

तालिका - I	तालिका - II
A. मेषः	I. शनिः
B. तुला	II. भौमः
C. धनुः	III. शुक्रः
D. कुम्भः	IV. गुरुः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A- II, B-III, C-IV, D- I
2. A- I, B-III, C- IV, D-II
3. A-III, B-II, C-IV, D-I
4. A- IV, B-I, C-III, D-II

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22365]
2[Option ID=22366]
3[Option ID=22367]
4[Option ID=22368]

Sl. No.67
QBID:73067

समुचितं मेलयत-

तालिका - I	तालिका - II
A. शरीरमेवात्मा	I. नैयायिकस्य
B. नित्यविज्ञानमात्मा	II. योगाचारस्य
C. क्षणिकविज्ञानमात्मा	III. चार्वाकस्य
D. ज्ञानाधिकरणमात्मा	IV. अद्वैतवेदान्तस्य

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A- III, B-I, C-II, D- IV
2. A- III, B-II, C- IV, D-I
3. A-III, B-IV, C-II, D-I
4. A- III, B-IV, C-I, D-II

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22369]
2[Option ID=22370]
3[Option ID=22371]
4[Option ID=22372]

Sl. No.68
QBID:73068

समुचितं मेलयत-

तालिका - I	तालिका - II
A. सोमेन यजेत	I. परिसंख्याविधिः
B. अग्निहोत्रं जुहोति	II. उत्पत्तिविधिः
C. दध्ना जुहोति	III. गुणविधिः
D. पञ्च पञ्चनखाः भक्ष्याः	IV. विशिष्टविधिः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A- II, B-III, C-IV, D- I
2. A- III, B-I, C- II, D-IV
3. A-IV, B-II, C-III, D-I
4. A- I, B-II, C-III, D-IV

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22373]
2[Option ID=22374]
3[Option ID=22375]
4[Option ID=22376]

Sl. No.69
QBID:73069

समुचितं मेलयत-

तालिका - I	तालिका - II
A. हेत्वभाववान् पक्षः	I. साधारणव्यभिचारः
B. साध्याभाववान् पक्षः	II. सत्प्रतिपक्षः
C. साध्याभावव्याप्यवान् पक्षः	III. बाधः
D. साध्याभाववद्वृत्तिः	IV. स्वरूपासिद्धिः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A- IV, B-III, C-I, D- II
2. A- IV, B-II, C- III, D-I
3. A-IV, B-I, C-II, D-III
4. A- IV, B-III, C-II, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22377]
2[Option ID=22378]
3[Option ID=22379]
4[Option ID=22380]

Sl. No.70
QBID:73070

समुचितं मेलयत-

तालिका - I	तालिका - II
A. अन्यथाख्यातिः	I. माध्यमिकबौद्धस्य
B. असत्ख्यातिः	II.नैयायिकस्य
C. आत्मख्यातिः	III. भाट्टमीमांसकस्य
D. सत्ख्यातिः	IV. योगाचारबौद्धस्य

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A- II, B-I, C-IV, D- III
2. A- II, B-IV, C- III, D-I
3. A-II, B-III, C-IV, D-I
4. A- II, B-I, C-III, D-IV

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22381]
2[Option ID=22382]
3[Option ID=22383]
4[Option ID=22384]

Sl. No.71
QBID:73071

समुचितं मेलयत-

तालिका - I	तालिका - II
A. पदसंज्ञा	I. वारणार्थानामीप्सितः
B. प्रगृह्यसंज्ञा	II. अदसो मात्
C. अपादानसंज्ञा	III. तथायुक्तं चानीप्सितम्
D. कर्मसंज्ञा	IV. स्वादिष्वसर्वनामस्थाने

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A- I, B-II, C-III, D- IV
2. A- IV, B-III, C- I, D-II
3. A-II, B-IV, C-I, D-III
4. A- IV, B-II, C-I, D-III

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22385]
2[Option ID=22386]
3[Option ID=22387]
4[Option ID=22388]

Sl. No.72
QBID:73072

समुचितं मेलयत-

तालिका - I	तालिका - II
A. रूपावतारः	I. रामचन्द्रः
B. मध्यसिद्धान्तकौमुदी	II. वरदराजः
C. प्रक्रियाकौमुदी	III. नागेशः
D. लघुशब्देन्दुशेखरः	IV. धर्मकीर्तिः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A- IV, B-II, C-I, D- III
2. A- I, B-II, C- III, D-IV
3. A-II, B-IV, C-I, D-III
4. A- IV, B-III, C-II, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22389]
2[Option ID=22390]
3[Option ID=22391]
4[Option ID=22392]

Sl. No.73
QBID:73073

समुचितं मेलयत-

तालिका - I	तालिका - II
A. श्रीभाष्यम्	I. रामानुजाचार्यः
B. सिद्धान्तलेशसङ्ग्रहः	II. सदानन्दः
C. वेदान्तसारः	III. गौडब्रह्मानन्दः
D. लघुचन्द्रिका	IV. अप्पय्यदीक्षितः

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A- I, B-IV, C-II, D- III
2. A- II, B-I, C- IV, D-III
3. A-III, B-I, C-II, D-IV
4. A- IV, B-III, C-I, D-II

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22393]
2[Option ID=22394]
3[Option ID=22395]
4[Option ID=22396]

Sl. No.74
QBID:73074

समुचितं मेलयत-

तालिका - I	तालिका - II
A. सुखानुशयी	I. द्वेषः
B. दुःखानुशयी	II. आसनम्
C. स्थिरसुखम्	III. रागः
D. तत्र ऋतम्भरा	IV. प्रज्ञा

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A- III, B-II, C-I, D- IV
2. A- IV, B-IV, C- I, D-II
3. A-III, B-II, C-IV, D-I
4. A- III, B-I, C-II, D-IV

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22397]
2[Option ID=22398]
3[Option ID=22399]
4[Option ID=22400]

Sl. No.75
QBID:73075

समुचितं मेलयत-

तालिका - I	तालिका - II
A. सामवेदः	I. अयमात्मा ब्रह्म
B. यजुर्वेदः	II. तत्त्वमसि
C. अथर्ववेदः	III. प्रज्ञानं ब्रह्म
D. ऋग्वेदः	IV. अहं ब्रह्मास्मि

समुचितं विकल्पं चिनुत-

1. A- I, B-IV, C-II, D- III
2. A- I, B-III, C- IV, D-II
3. A-II, B-III, C-I, D-IV
4. A- II, B-IV, C-I, D-III

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22401]
2[Option ID=22402]
3[Option ID=22403]
4[Option ID=22404]

Sl. No.76
QBID:73076

यथाक्रमं योजयत-

A. मनोमयः

B. विज्ञानमयः

C. प्राणमयः

D. अन्नमयः

E. आनन्दमयः

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. E, C, A, B, D
2. D, C, A, B, E
3. C, A, D, E, B
4. B, C, A, D, E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22405]
2[Option ID=22406]
3[Option ID=22407]
4[Option ID=22408]

Sl. No.77
QBID:73077

मीमांसादिशा यथाक्रमं योजयत -

A. वाक्यम्

B. श्रुतिः

C. लिङ्गम्

D. प्रकरणम्

E. स्थानम्

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. E, C, B, D, A
2. C, A, E, B, D
3. D, C, B, A, E
4. B, C, A, D, E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22409]
2[Option ID=22410]
3[Option ID=22411]
4[Option ID=22412]

Sl. No.78
QBID:73078

यथाक्रमं संस्कारान् योजयत-

A. सीमन्तोन्नयनम्

B. नामकरणम्

C. गर्भाधानम्

D. पुंसवनम्

E. जातकर्म

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. C, D, A, E, B
2. C, B, D, A, E
3. C, A, B, E, D
4. C, E, B, D, A

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22413]
2[Option ID=22414]
3[Option ID=22415]
4[Option ID=22416]

Sl. No.79
QBID:73079

कालक्रमेण योजयत-

A. मम्मटः

B. अप्पय्यदीक्षितः

C. भोजः

D. पण्डितराजजगन्नाथः

E. विश्वनाथः

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A, E, C, B, D
2. C, A, E, D, B
3. D, A, B, C, E
4. C, A, E, B, D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22417]
2[Option ID=22418]
3[Option ID=22419]
4[Option ID=22420]

Sl. No.80
QBID:73080

यथाक्रमं राशीन् योजयत-

A. तुला

B. कन्या

C. धनुः

D. वृश्चिकः

E. सिंहः

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. E, C, A, D, B
2. E, A, C, B, D
3. E, B, A, D, C
4. E, D, B, C, A

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22421]
2[Option ID=22422]
3[Option ID=22423]
4[Option ID=22424]

Sl. No.81
QBID:73081

सन् + शम्भुः = सञ्छम्भुः इत्यस्य सिद्धिप्रक्रियायां प्रवृत्तानि सूत्राणि यथाक्रमं योजयत-

A. शि तुक्

B. शश्छोऽटि

C. झरो झरि सवर्णे

D. स्तोः श्चुना श्चुः

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A, B, C, D
2. A, D, B, C
3. C, B, D, A
4. B, A, C, D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22425]
2[Option ID=22426]
3[Option ID=22427]
4[Option ID=22428]

Sl. No.82
QBID:73082

वैशेषिकगुणान् यथाक्रमं योजयत-

A. शब्दः

B. इच्छा

C. बुद्धिः

D. प्रयत्नः

E. धर्मः

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A, C, B, D, E
2. C, B, D, E, A
3. B, A, C, D, E
4. D, C, A, B, E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22429]
2[Option ID=22430]
3[Option ID=22431]
4[Option ID=22432]

Sl. No.83
QBID:73083

यथाक्रमं सांख्यतत्त्वानि योजयत-

A. महान्

B. पञ्चतन्मात्राणि

C. प्रकृतिः

D. अहङ्कारः

E. पञ्चभूतानि

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A, C, D, E, B
2. C, D, B, A, E
3. C, A, D, B, E
4. C, B, E, A, D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22433]
2[Option ID=22434]
3[Option ID=22435]
4[Option ID=22436]

Sl. No.84
QBID:73084

सप्तभङ्गिनयतत्त्वानि यथाक्रमं योजयत-

A. स्यादस्ति

B. स्यादस्ति चावक्तव्यः

C. स्यादस्ति च नास्ति च

D. स्यादस्ति च नास्ति चावक्तव्यः

E. स्यादवक्तव्यः

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A, B, C, D, E
2. A, C, E, B, D
3. C, A, E, B, D
4. D, B, C, A, E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22437]
2[Option ID=22438]
3[Option ID=22439]
4[Option ID=22440]

Sl. No.85
QBID:73085

यथाक्रमं योजयत-

A. विपरिणमते

B. जायते

C. अपक्षीयते

D. अस्ति

E. विनश्यति

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A, B, C, D, E
2. B, D, A, C, E
3. D, C, B, E, A
4. E, D, B, A, B

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22441]
2[Option ID=22442]
3[Option ID=22443]
4[Option ID=22444]

Sl. No.86
QBID:73086

अधोलिखिते कथने पठित्वा समुचितं विकल्पं चिनुत-

(A) अभिकथनम् : अद्वैतलक्षणे ब्रह्मणि सजातीयादिभेदो नास्ति।

(R) कारणम् : एकमेवाद्वितीयमित्यादिश्रुतेः कथनेन ब्रह्मणि भेदो निषिध्यते।

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. A एवं R उभे सत्ये स्तः। R उचितं स्पष्टीकरणम् अस्ति A इत्यस्य।
2. A एवं R उभे सत्ये स्तः किन्तु R उचितं स्पष्टीकरणम् नास्ति A इत्यस्य।
3. A सत्यं किन्तु R असत्यम्।
4. A असत्यं किन्तु R सत्यम्।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22445]
2[Option ID=22446]
3[Option ID=22447]
4[Option ID=22448]

Sl. No.87
QBID:73087

अधोलिखिते कथने पठित्वा समुचितं विकल्पं चिनुत-

कथनम्-I: 'आन्वीक्षकी त्रयी वार्ता दण्डनीतिश्चेति विद्याः' इति कौटिल्यः।

कथनम्-II: 'तिस्रः एव विद्याः' इत्यौशनसाः।

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. । एवं ॥ कथने सत्ये स्तः।
2. । एवं ॥ कथने असत्ये स्तः।
3. । कथनं सत्यं किन्तु ॥ कथनम् असत्यम्
4. । कथनं असत्यं किन्तु ॥ कथनं सत्यम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22449]
2[Option ID=22450]
3[Option ID=22451]
4[Option ID=22452]

Sl. No.88
QBID:73088

अधोलिखिते कथने पठित्वा समुचितं विकल्पं चिनुत-

कथनम्-I: मम्मटमते क्वचित् स्फुटालङ्कारविरहेऽपि न काव्यत्वहानिः।

कथनम्-II: 'रसस्य च प्राधान्यान्नालङ्कारता' इति काव्यप्रकाशकारः।

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. । एवं ॥ कथने सत्ये स्तः।
2. । एवं ॥ कथने असत्ये स्तः।
3. । कथनं सत्यं किन्तु ॥ कथनम् असत्यम्
4. । कथनं असत्यं किन्तु ॥ कथनं सत्यम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22453]
2[Option ID=22454]
3[Option ID=22455]
4[Option ID=22456]

Sl. No.89
QBID:73089

अधोलिखिते कथने पठित्वा समुचितं विकल्पं चिनुत-

कथनम्-I: कर्मस्वरूपमात्रबोधको विधिः उत्पत्तिविधिः।

कथनम्-II: प्राशस्त्यनिन्दान्यतरपरं वाक्यं निषेधः।

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. । एवं ॥ कथने सत्ये स्तः।
2. । एवं ॥ कथने असत्ये स्तः।
3. । कथनं सत्यं किन्तु ॥ कथनम् असत्यम्
4. । कथनं असत्यं किन्तु ॥ कथनं सत्यम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22457]
2[Option ID=22458]
3[Option ID=22459]
4[Option ID=22460]

Sl. No.90
QBID:73090

अधोलिखिते कथने पठित्वा समुचितं विकल्पं चिनुत-

कथनम्-I: पुरुषोऽपि प्रकृतेर्विकारभूतो विद्यते।

कथनम्-II: प्रकृतेरपि अजडत्वं दृश्यते।

समुचितम् उत्तरं चिनुत-

1. । एवं ॥ कथने सत्ये स्तः।
2. । एवं ॥ कथने असत्ये स्तः।
3. । कथनं सत्यं किन्तु ॥ कथनम् असत्यम्
4. । कथनं असत्यं किन्तु ॥ कथनं सत्यम्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22461]
2[Option ID=22462]
3[Option ID=22463]
4[Option ID=22464]

Sl. No.91
QBID:73091

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम्-

'धातुप्रकृतिप्रत्ययादीनां शक्तिग्रहो व्याकरणाद् भवति। क्वचित् सति बाधके त्यज्यते। यथा वैयाकरणैराख्यातस्य कर्तरि शक्तिरुपेयते। चैत्रः पचतीत्यादौ कर्त्रा सह चैत्रस्याभेदान्वयः। तच्च गौरवात्त्यज्यते। किन्तु कृतौ शक्तिर्लाघवात्। कृतिश्चैत्रादौ प्रकारीभूय भासते। न च कर्तुरनभिधानाच्चैत्रादिपदानन्तरं तृतीया स्यादिति वाच्यम्। कर्तृसंख्यानभिधानस्य तत्र तन्त्रत्वात्। संख्यानभिधानयोग्यश्च कर्मत्वाद्यनवरुद्धप्रथमान्तपदोपस्थाप्यः। कर्मत्वादीत्यस्येतरविशेषणत्वेन तात्पर्याविषयत्वमर्थः, तेन चैत्र इव मैत्रो गच्छतीत्यादौ न चैत्रे संख्यान्वयः।

वैयाकरणमते आख्यातस्य कुत्र शक्तिः?

1. कृतौ
2. भावनायाम्
3. कर्तरि
4. सम्बन्धे

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22465]
2[Option ID=22466]
3[Option ID=22467]
4[Option ID=22468]

Sl. No.92
QBID:73092

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम्-

'धातुप्रकृतिप्रत्ययादीनां शक्तिग्रहो व्याकरणाद् भवति। क्वचित् सति बाधके त्यज्यते। यथा वैयाकरणैराख्यातस्य कर्तरि शक्तिरुपेयते। चैत्रः पचतीत्यादौ कर्त्रा सह चैत्रस्याभेदान्वयः। तच्च गौरवात्त्यज्यते। किन्तु कृतौ शक्तिर्लाघवात्। कृतिश्चैत्रादौ प्रकारीभूय भासते। न च कर्तुरनभिधानाच्चैत्रादिपदानन्तरं तृतीया स्यादिति वाच्यम्। कर्तृसंख्यानभिधानस्य तत्र तन्त्रत्वात्। संख्यानभिधानयोग्यश्च कर्मत्वाद्यनवरुद्धप्रथमान्तपदोपस्थाप्यः। कर्मत्वादीत्यस्येतरविशेषणत्वेन तात्पर्याविषयत्वमर्थः, तेन चैत्र इव मैत्रो गच्छतीत्यादौ न चैत्रे संख्यान्वयः।

चैत्र इव मैत्रो गच्छतीत्यत्र संख्यायाः कुत्रान्वयः?

1. चैत्रे
2. मैत्रे
3. इवार्थसादृश्ये
4. धात्वर्थे

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22469]
2[Option ID=22470]
3[Option ID=22471]
4[Option ID=22472]

Sl. No.93
QBID:73093

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम्-

'धातुप्रकृतिप्रत्ययादीनां शक्तिग्रहो व्याकरणाद् भवति। क्वचित् सति बाधके त्यज्यते। यथा वैयाकरणैराख्यातस्य कर्तरि शक्तिरुपेयते। चैत्रः पचतीत्यादौ कर्त्रा सह चैत्रस्याभेदान्वयः। तच्च गौरवात्त्यज्यते। किन्तु कृतौ शक्तिर्लाघवात्। कृतिश्चैत्रादौ प्रकारीभूय भासते। न च कर्तुरनभिधानाच्चैत्रादिपदानन्तरं तृतीया स्यादिति वाच्यम्। कर्तृसंख्यानभिधानस्य तत्र तन्त्रत्वात्। संख्यानभिधानयोग्यश्च कर्मत्वाद्यनवरुद्धप्रथमान्तपदोपस्थाप्यः। कर्मत्वादीत्यस्येतरविशेषणत्वेन तात्पर्याविषयत्वमर्थः, तेन चैत्र इव मैत्रो गच्छतीत्यादौ न चैत्रे संख्यान्वयः।

धातुप्रकृतिप्रत्ययादीनां शक्तिग्रहः कस्माद् भवति?

1. उपमानात्
2. कोशात्
3. विवरणात्
4. व्याकरणात्

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22473]
2[Option ID=22474]
3[Option ID=22475]
4[Option ID=22476]

Sl. No.94
QBID:73094

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम्-

'धातुप्रकृतिप्रत्ययादीनां शक्तिग्रहो व्याकरणाद् भवति। क्वचित् सति बाधके त्यज्यते। यथा वैयाकरणैराख्यातस्य कर्तरि शक्तिरुपेयते। चैत्रः पचतीत्यादौ कर्त्रा सह चैत्रस्याभेदान्वयः। तच्च गौरवात्त्यज्यते। किन्तु कृतौ शक्तिर्लाघवात्। कृतिश्चैत्रादौ प्रकारीभूय भासते। न च कर्तुरनभिधानाच्चैत्रादिपदानन्तरं तृतीया स्यादिति वाच्यम्। कर्तृसंख्यानभिधानस्य तत्र तन्त्रत्वात्। संख्यानभिधानयोग्यश्च कर्मत्वाद्यनवरुद्धप्रथमान्तपदोपस्थाप्यः। कर्मत्वादीत्यस्येतरविशेषणत्वेन तात्पर्याविषयत्वमर्थः, तेन चैत्र इव मैत्रो गच्छतीत्यादौ न चैत्रे संख्यान्वयः।

'चैत्रः पचति' इत्यत्र कर्त्रा सह चैत्रस्य केन सम्बन्धेन अन्वयः?

1. अनुकूलत्वसम्बन्धेन
2. अभेदसम्बन्धेन
3. भेदसम्बन्धेन
4. समवायसम्बन्धेन

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22477]
2[Option ID=22478]
3[Option ID=22479]
4[Option ID=22480]

Sl. No.95
QBID:73095

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम्-

'धातुप्रकृतिप्रत्ययादीनां शक्तिग्रहो व्याकरणाद् भवति। क्वचित् सति बाधके त्यज्यते। यथा वैयाकरणैराख्यातस्य कर्तरि शक्तिरुपेयते। चैत्रः पचतीत्यादौ कर्त्रा सह चैत्रस्याभेदान्वयः। तच्च गौरवात्त्यज्यते। किन्तु कृतौ शक्तिर्लाघवात्। कृतिश्चैत्रादौ प्रकारीभूय भासते। न च कर्तुरनभिधानाच्चैत्रादिपदानन्तरं तृतीया स्यादिति वाच्यम्। कर्तृसंख्यानभिधानस्य तत्र तन्त्रत्वात्। संख्यानभिधानयोग्यश्च कर्मत्वाद्यनवरुद्धप्रथमान्तपदोपस्थाप्यः। कर्मत्वादीत्यस्येतरविशेषणत्वेन तात्पर्याविषयत्वमर्थः, तेन चैत्र इव मैत्रो गच्छतीत्यादौ न चैत्रे संख्यान्वयः।

न्यायमते आख्यातार्थः कः?

1. कर्ता
2. भावना
3. सम्बन्धः
4. कृतिः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22481]
2[Option ID=22482]
3[Option ID=22483]
4[Option ID=22484]

Sl. No.96
QBID:73096

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम्-

वाक्यं स्याद्योग्यताकाङ्क्षासत्तियुक्तः पदोच्चयः। योग्यता पदार्थानां परस्परसम्बन्धे बाधाभावः। पदोच्चयस्यैतदभावेऽपि वाक्यत्वे 'वह्निना सिञ्चति' इत्याद्यपि वाक्यं स्यात्। आकाङ्क्षा प्रतीतिपर्यवसानविरहः। स च श्रोतुर्जिज्ञासारूपः। निराकाङ्क्षस्य वाक्यत्वे ' गौरश्वः पुरुषो हस्ती' इत्यादीनामपि वाक्यत्वं स्यात्। आसत्तिर्बुद्ध्यविच्छेदः। बुद्धिविच्छेदेऽपि वाक्यत्वे इदानीमुच्चरितस्य देवदत्तशब्दस्य दिनान्तरोच्चरितेन गच्छतीति पदेन सङ्गतिः स्यात् अत्राकाङ्क्षायोग्यतयो-रात्मार्थधर्मत्वेऽपि पदोच्चयधर्मत्वमुपचारात्।

पदार्थानां परस्परसम्बन्धे बाधाभावो भवति?

1. प्रतीतिः
2. आकाङ्क्षा
3. आसत्तिः
4. योग्यता

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22485]
2[Option ID=22486]
3[Option ID=22487]
4[Option ID=22488]

Sl. No.97
QBID:73097

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम्-

वाक्यं स्याद्योग्यताकाङ्क्षासत्तियुक्तः पदोच्चयः। योग्यता पदार्थानां परस्परसम्बन्धे बाधाभावः। पदोच्चयस्यैतदभावेऽपि वाक्यत्वे 'वह्निना सिञ्चति' इत्याद्यपि वाक्यं स्यात्। आकाङ्क्षा प्रतीतिपर्यवसानविरहः। स च श्रोतुर्जिज्ञासारूपः। निराकाङ्क्षस्य वाक्यत्वे ' गौरश्वः पुरुषो हस्ती' इत्यादीनामपि वाक्यत्वं स्यात्। आसत्तिर्बुद्ध्यविच्छेदः। बुद्धिविच्छेदेऽपि वाक्यत्वे इदानीमुच्चरितस्य देवदत्तशब्दस्य दिनान्तरोच्चरितेन गच्छतीति पदेन सङ्गतिः स्यात् अत्राकाङ्क्षायोग्यतयो-रात्मार्थधर्मत्वेऽपि पदोच्चयधर्मत्वमुपचारात्।

बुद्ध्यविच्छेदो भवति-

1. लक्षणा
2. जिज्ञासा
3. बाधा
4. आसत्तिः

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22489]
2[Option ID=22490]
3[Option ID=22491]
4[Option ID=22492]

Sl. No.98
QBID:73098

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम्-

वाक्यं स्याद्योग्यताकाङ्क्षासत्तियुक्तः पदोच्चयः। योग्यता पदार्थानां परस्परसम्बन्धे बाधाभावः। पदोच्चयस्यैतदभावेऽपि वाक्यत्वे 'वह्निना सिञ्चति' इत्याद्यपि वाक्यं स्यात्। आकाङ्क्षा प्रतीतिपर्यवसानविरहः। स च श्रोतुर्जिज्ञासारूपः। निराकाङ्क्षस्य वाक्यत्वे ' गौरश्वः पुरुषो हस्ती' इत्यादीनामपि वाक्यत्वं स्यात्। आसत्तिर्बुद्ध्यविच्छेदः। बुद्धिविच्छेदेऽपि वाक्यत्वे इदानीमुच्चरितस्य देवदत्तशब्दस्य दिनान्तरोच्चरितेन गच्छतीति पदेन सङ्गतिः स्यात् अत्राकाङ्क्षायोग्यतयो-रात्मार्थधर्मत्वेऽपि पदोच्चयधर्मत्वमुपचारात्।

'प्रतीतिपर्यवसानविरहः' इत्यस्य सम्बन्धः कया सह भवति?

1. योग्यतया
2. आकाङ्क्षया
3. आसत्त्या
4. भावनया

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22493]
2[Option ID=22494]
3[Option ID=22495]
4[Option ID=22496]

Sl. No.99
QBID:73099

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम्-

वाक्यं स्याद्योग्यताकाङ्क्षासत्तियुक्तः पदोच्चयः। योग्यता पदार्थानां परस्परसम्बन्धे बाधाभावः। पदोच्चयस्यैतदभावेऽपि वाक्यत्वे 'वह्निना सिञ्चति' इत्याद्यपि वाक्यं स्यात्। आकाङ्क्षा प्रतीतिपर्यवसानविरहः। स च श्रोतुर्जिज्ञासारूपः। निराकाङ्क्षस्य वाक्यत्वे ' गौरश्वः पुरुषो हस्ती' इत्यादीनामपि वाक्यत्वं स्यात्। आसत्तिर्बुद्ध्यविच्छेदः। बुद्धिविच्छेदेऽपि वाक्यत्वे इदानीमुच्चरितस्य देवदत्तशब्दस्य दिनान्तरोच्चरितेन गच्छतीति पदेन सङ्गतिः स्यात् अत्राकाङ्क्षायोग्यतयो-रात्मार्थधर्मत्वेऽपि पदोच्चयधर्मत्वमुपचारात्।

'वह्निना सिञ्चति' इत्यस्मिन् वाक्ये कस्या अभावो वर्तते?

1. आकाङ्क्षायाः
2. योग्यतायाः
3. आसत्तेः
4. भावस्य

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22497]
2[Option ID=22498]
3[Option ID=22499]
4[Option ID=22500]

Sl. No.100
QBID:730100

अधोलिखितम् अनुच्छेदं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि दीयन्ताम्-

वाक्यं स्याद्योग्यताकाङ्क्षासत्तियुक्तः पदोच्चयः। योग्यता पदार्थानां परस्परसम्बन्धे बाधाभावः। पदोच्चयस्यैतदभावेऽपि वाक्यत्वे 'वह्निना सिञ्चति' इत्याद्यपि वाक्यं स्यात्। आकाङ्क्षा प्रतीतिपर्यवसानविरहः। स च श्रोतुर्जिज्ञासारूपः। निराकाङ्क्षस्य वाक्यत्वे ' गौरश्वः पुरुषो हस्ती' इत्यादीनामपि वाक्यत्वं स्यात्। आसत्तिर्बुद्ध्यविच्छेदः। बुद्धिविच्छेदेऽपि वाक्यत्वे इदानीमुच्चरितस्य देवदत्तशब्दस्य दिनान्तरोच्चरितेन गच्छतीति पदेन सङ्गतिः स्यात् अत्राकाङ्क्षायोग्यतयो-रात्मार्थधर्मत्वेऽपि पदोच्चयधर्मत्वमुपचारात्।

वाक्यार्थपूर्तये पदान्तरस्य भवति-

1. योग्यता
2. प्रवर्तना
3. आकाङ्क्षा
4. विभावना

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22141]
2[Option ID=22142]
3[Option ID=22143]
4[Option ID=22144]

Sl. No.101
QBID:12201001

The following table shows the percentage (%) distribution of number of sportspersons and number of male sportspersons participating in Asian Games from six different countries A-F. Total number of sportspersons who participated in the games is 1100 and the ratio of Male to Female among them is 15 : 7. Based on the data in the table, answer the question.

Country-wise Distribution of Sportspersons

Country	Distribution (%)	
	Sports persons	Male Sportspersons
A	21 %	20 %
B	25 %	22 %
C	15 %	14 %
D	12 %	12 %
E	9 %	10 %
F	18 %	22 %

निम्नलिखित तालिका में छः विभिन्न देशों A-F से एशियन गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या और पुरुष खिलाड़ियों की संख्या का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया हैं। गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की कुल संख्या 1100 है और उनमें पुरुष और महिला का अनुपात 15:7 है। इस तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए:

खिलाड़ियों का देशवार वितरण

देश	वितरण (%)	
	खिलाड़ी	पुरुष खिलाड़ी
A	21 %	20 %
B	25 %	22 %
C	15 %	14%
D	12 %	12%
E	9 %	10 %
F	18 %	22 %

Number of female participants from Country D is _____ % of the number of male participants from Country A.

1. 21
2. 24
3. 28
4. 31

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

देश D से महिला प्रतिभागियों की संख्या देश A से पुरुष प्रतिभागियों की संख्या का __ % है।

1. 21
2. 24
3. 28
4. 31

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22901]
2[Option ID=22902]
3[Option ID=22903]
4[Option ID=22904]

Sl. No.102
QBID:12201002

The following table shows the percentage (%) distribution of number of sportspersons and number of male sportspersons participating in Asian Games from six different countries A-F. Total number of sportspersons who participated in the games is 1100 and the ratio of Male to Female among them is 15 : 7. Based on the data in the table, answer the question.

Country-wise Distribution of Sportspersons

Country	Distribution (%)	
	Sports persons	Male Sportspersons
A	21 %	20 %
B	25 %	22 %
C	15 %	14 %
D	12 %	12 %
E	9 %	10 %
F	18 %	22 %

निम्नलिखित तालिका में छः विभिन्न देशों A-F से एशियन गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या और पुरुष खिलाड़ियों की संख्या का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया हैं। गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की कुल संख्या 1100 है और उनमें पुरुष और महिला का अनुपात 15:7 है। इस तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए:

खिलाड़ियों का देशवार वितरण

देश	वितरण (%)	
	खिलाड़ी	पुरुष खिलाड़ी
A	21 %	20 %
B	25 %	22 %
C	15 %	14%
D	12 %	12%
E	9 %	10 %
F	18 %	22 %

Total number of male participants from Country B and F together is _____ % of the number of participants in the games.

1. 25
2. 30
3. 40
4. 45

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

B और F दोनों देशों से पुरुष प्रतिभागियों की कुल संख्या गेम्स में प्रतिभागियों की संख्या का ___ % है।

1. 25
2. 30
3. 40
4. 45

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22905]
2[Option ID=22906]
3[Option ID=22907]
4[Option ID=22908]

Sl. No.103
QBID:12201003

The following table shows the percentage (%) distribution of number of sportspersons and number of male sportspersons participating in Asian Games from six different countries A-F. Total number of sportspersons who participated in the games is 1100 and the ratio of Male to Female among them is 15 : 7. Based on the data in the table, answer the question.

Country-wise Distribution of Sportspersons

Country	Distribution (%)	
	Sports persons	Male Sportspersons
A	21 %	20 %
B	25 %	22 %
C	15 %	14 %
D	12 %	12 %
E	9 %	10 %
F	18 %	22 %

निम्नलिखित तालिका में छः विभिन्न देशों A-F से एशियन गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या और पुरुष खिलाड़ियों की संख्या का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया हैं। गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की कुल संख्या 1100 है और उनमें पुरुष और महिला का अनुपात 15:7 है। इस तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए:

खिलाड़ियों का देशवार वितरण

देश	वितरण (%)	
	खिलाड़ी	पुरुष खिलाड़ी
A	21 %	20 %
B	25 %	22 %
C	15 %	14%
D	12 %	12%
E	9 %	10 %
F	18 %	22 %

Number of male participants from Country E is _____ % more than the number of female participants from Country C.

1. 18
2. 21
3. 24
4. 25

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

देश E से पुरुष प्रतिभागियों की संख्या देश C से महिला प्रतिभागियों की संख्या से __ % अधिक है।

1. 18
2. 21
3. 24
4. 25

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22909]
2[Option ID=22910]
3[Option ID=22911]
4[Option ID=22912]

Sl. No.104
QBID:12201004

The following table shows the percentage (%) distribution of number of sportspersons and number of male sportspersons participating in Asian Games from six different countries A-F. Total number of sportspersons who participated in the games is 1100 and the ratio of Male to Female among them is 15 : 7. Based on the data in the table, answer the question.

Country-wise Distribution of Sportspersons

Country	Distribution (%)	
	Sports persons	Male Sportspersons
A	21 %	20 %
B	25 %	22 %
C	15 %	14 %
D	12 %	12 %
E	9 %	10 %
F	18 %	22 %

निम्नलिखित तालिका में छः विभिन्न देशों A-F से एशियन गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या और पुरुष खिलाड़ियों की संख्या का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया हैं। गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की कुल संख्या 1100 है और उनमें पुरुष और महिला का अनुपात 15:7 है। इस तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए:

खिलाड़ियों का देशवार वितरण

देश	वितरण (%)	
	खिलाड़ी	पुरुष खिलाड़ी
A	21 %	20 %
B	25 %	22 %
C	15 %	14%
D	12 %	12%
E	9 %	10 %
F	18 %	22 %

What is the ratio of the number of participants from Country D to the number of female participants from Country E?

1. 11 : 2
2. 11 : 5
3. 13 : 4
4. 7 : 3

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

देश D के प्रतिभागियों की संख्या और देश E से महिला प्रतिभागियों की संख्या का अनुपात है?

1. 11:2
2. 11:5
3. 13:4
4. 7:3

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22913]
2[Option ID=22914]
3[Option ID=22915]
4[Option ID=22916]

Sl. No.105
QBID:12201005

The following table shows the percentage (%) distribution of number of sportspersons and number of male sportspersons participating in Asian Games from six different countries A-F. Total number of sportspersons who participated in the games is 1100 and the ratio of Male to Female among them is 15 : 7. Based on the data in the table, answer the question.

Country-wise Distribution of Sportspersons

Country	Distribution (%)	
	Sports persons	Male Sportspersons
A	21 %	20 %
B	25 %	22 %
C	15 %	14 %
D	12 %	12 %
E	9 %	10 %
F	18 %	22 %

निम्नलिखित तालिका में छः विभिन्न देशों A-F से एशियन गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या और पुरुष खिलाड़ियों की संख्या का प्रतिशत वितरण दर्शाया गया हैं। गेम्स में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की कुल संख्या 1100 है और उनमें पुरुष और महिला का अनुपात 15:7 है। इस तालिका में दिए गए आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए:

खिलाड़ियों का देशवार वितरण

देश	वितरण (%)	
	खिलाड़ी	पुरुष खिलाड़ी
A	21 %	20 %
B	25 %	22 %
C	15 %	14%
D	12 %	12%
E	9 %	10 %
F	18 %	22 %

If 10 additional female participants from Country C joined the games, then the total number of female participants from Country C is _____ % of the total number of participants from Country C.

1. 30
2. 40
3. 50
4. 60

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

यदि देश C से 10 अतिरिक्त महिला प्रतिभागियों ने गेम्स में भाग लिया, तो देश C से महिला प्रतिभागियों की कुल संख्या देश C के प्रतिभागियों की कुल संख्या का ___ % है।

1. 30
2. 40
3. 50
4. 60

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22917]
2[Option ID=22918]
3[Option ID=22919]
4[Option ID=22920]

Sl. No.106
QBID:12201006

After twenty five years of graduation, from a large group of strangers, a student is able to correctly identify photographs of students with whom she attended and completed her high school. This type of learning belongs to the category of

1. Recall
2. Recognition
3. Common Sense
4. Eidetic imagery

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

अपरिचितों के एक बड़े समूह के बीच स्नातक शिक्षा प्राप्त करने के 25 वर्षों बाद, एक विद्यार्थी, विद्यार्थी समूह के फोटोग्राफ़ों से अपने हाई स्कूल में साथ में पढ़ने और शिक्षा पूरी करने वाले विद्यार्थियों की ठीक प्रकार से पहचान करने में सक्षम है। अधिगम का यह प्रकार किस वर्ग से संबंधित है?

1. पुनः स्मरण
2. प्रत्यभिज्ञान
3. सामान्य संवेदन
4. मूर्तकल्पी प्रतिमावली

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22921]
2[Option ID=22922]
3[Option ID=22923]
4[Option ID=22924]

Sl. No.107
QBID:12201007

Which of the following instructional effect does not come under Role-Playing Model?

1. Strategies of solving interpersonal problems.
2. Comfort in expressing opinions.
3. Facts about social problems and values.
4. Competence in social dialogue.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित अनुदेशात्मक प्रभावों में से कौन भूमिका निर्वहन मॉडल के अंतर्गत नहीं आता है?

1. अंतर्वैयक्तिक समस्या समाधान की रणनीतियां
2. विचारों की अभिव्यक्ति में सहजता
3. सामाजिक समस्याओं और मूल्यों के बारे में तथ्य
4. सामाजिक संवाद में दक्षता

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22925]
2[Option ID=22926]
3[Option ID=22927]
4[Option ID=22928]

Sl. No.108
QBID:12201008

Out of the following, which technology integrated model is more useful for researchers to use:

1. TPACK
2. SAMR
3. RAT
4. PICRAT

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित प्रौद्योगिकी एकीकृत मॉडलों में कौन शोधकर्ताओं के प्रयोग के लिए अधिक उपयोगी है?

1. टी पी ए सी के (TPACK)
2. एस ए एम आर (SAMR)
3. आर ए टी (RAT)
4. पी आई सी आर ए टी (PICRAT)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22929]
2[Option ID=22930]

3[Option ID=22931]
4[Option ID=22932]

Sl. No.109
QBID:12201009

Match **List I** with **List II**

List I	**List II**
(Classroom Management)	**(Meaning)**
A. Authoritative Classroom Management	I. A Management style that allows students considerable autonomy but provides them with little support for developing learning skills.
B. Authoritarian Classroom Management	II. A Management style that encourages students to be independent thinkers but still provides effective monitoring.
C. Permissive Classroom Management	III. A Management style in which teachers show students that they are aware of what is happening.
D. Withitness	IV. A Management style that is restrictive and punitive, with the focus mainly on keeping order in the classroom rather than learning.

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - IV, B - II, C - III, D - I
2. A - III, B - II, C - IV, D - I
3. A - II, B - IV, C - I, D - III
4. A - III, B - IV, C - I, D - II

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I (कक्षा प्रबंधन)	सूची -II (आशय/ अर्थ)
A. प्राधिकृत कक्षा प्रबंधन	I. प्रबंधन की वह शैली जो विद्यार्थियों को अधिक स्वायत्तता प्रदान करती है परंतु अधिगम कौशलों के विकास के लिए कम अनुसमर्थन करती है।
B.सत्तावादी कक्षा प्रबंधन	II. प्रबंधनकी वह शैली जो विद्यार्थियों को स्वतंत्र चिंतक होने के लिए प्रोत्साहित करती है परंतु अब भी प्रभावकारी निगरानी करती है।
C. अनुज्ञात्मक कक्षा प्रबंधन	III. प्रबंधन की वह शैली जिसमें शिक्षक विद्यार्थियों को यह प्रदर्शित करते हैं कि वे सभी हो रहीं घटनाओं के बारे जानते हैं।
D. सहत्व	IV. प्रबंधन की वह शैली जो प्रतिबंधी और दंडात्मक है और अधिगम की अपेक्षित कक्षा में व्यवस्था बनाए रखती है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - IV , B - II , C - III, D - I
2. A - III, B - II, C - IV, D - I
3. A - II, B - IV, C - I, D - III
4. A - III, B - IV, C - I, D - II

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22933]
2[Option ID=22934]
3[Option ID=22935]
4[Option ID=22936]

Sl. No.110
QBID:12201010

SWAYAM is a program initiated by Govt. of India and designed to achieve the three cardinal principles of education:

A. Access

B. Equality

C. Equity

D. Quantity

E. Quality

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. B, D and E only
2. A, C and E only
3. B, C and E only
4. A, B and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

स्वयं (SWAYAM) भारत सरकार द्वारा आरंभ किया गया कार्यक्रम है जिसकी अभिकल्पना शिक्षा के तीन मूलभूत शिक्षा सिद्धांतों को प्राप्त करने के लिए की गई है :

A. अभिगम

B. समानता

C. समता

D. मात्रा

E. गुणवत्ता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल B, D और E
2. केवल A, C और E
3. केवल B, C और E
4. केवल A, B और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22937]
2[Option ID=22938]
3[Option ID=22939]
4[Option ID=22940]

Sl. No.111
QBID:12201011

While writing reports/manuscripts, researchers sometime use the abbreviation 'fn' which implies:

1. figure number
2. following number(s)
3. final note
4. footnote

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

जब कोई शोधकर्ता प्रतिवेदन/ पांडुलिपि लिखते समय संक्षेपाक्षर 'fn' (एफ एन) का प्रयोग करता है तो इसका अभिप्राय है:

1. संख्या-अंक
2. अनुवर्ती संख्याएं
3. अंतिम टिप्पणी
4. पाद टिप्पणी

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22941]
2[Option ID=22942]
3[Option ID=22943]
4[Option ID=22944]

Sl. No.112
QBID:12201012

Given below are two statements:

Statement I: Parametric tests cannot be applied to ordinal or nominal scale data.

Statement II: Parametric tests do not suppose any particular distribution and the consequential assumptions.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : प्राचलिक परीक्षण क्रमसूचक या नामिक पैमाने के आंकड़ों में अनुप्रयुक्त नहीं किए जा सकते हैं।

कथन - II : प्राचलिक परीक्षण किसी विशिष्ट वितरण और अनुवर्ती पूर्वानुमान की अपेक्षा नहीं करते हैं।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=22945]
2[Option ID=22946]
3[Option ID=22947]
4[Option ID=22948]

Sl. No.113
QBID:12201013

One of the main advantages of online survey based research is

1. lessened ethical requirements.
2. a reduced need to provide debriefing and clarification to participants after completion of survey.
3. participants can discontinue if they feel uncomfortable at any stage of survey.
4. a better understanding by participants of informed-consent issues.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

ऑनलाइन सर्वेक्षण आधारित शोध के प्रमुख सुलाभों में से एक है:

1. कम नैतिक अपेक्षाएं
2. सर्वेक्षण कार्य पूरा होने के बाद प्रतिभागियों को सूचना और स्पष्टीकरण प्रदान करने की आवश्यकता में कमी
3. अगर सर्वेक्षण के किसी चरण पर प्रतिभागी असहज महसूस करते हैं तो वे सर्वेक्षण से असंतत हो सकते हैं।
4. संसूचित-स्वीकृति के मुद्दों की प्रतिभागियों द्वारा बेहतर समझ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22949]
2[Option ID=22950]
3[Option ID=22951]
4[Option ID=22952]

Sl. No.114
QBID:12201014

The requirement in research that specifies that researchers must notify participants about the nature of participation research and any risks involved, is known as

1. Anonymity
2. Confidentiality
3. Informed Consent
4. Coercion

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

शोध कार्य में शोध से संबंधित प्रतिभागियों को प्रतिभागिता के स्वरूप/ प्रकृति, शोध तथा इसके जोखिम से अवगत कराने की अपेक्षा होती है जिसे कहा जाता है:

1. अनामत्व
2. गोपनीयता
3. संसूचित स्वीकृति
4. बल प्रयोग

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22953]
2[Option ID=22954]
3[Option ID=22955]
4[Option ID=22956]

Sl. No.115
QBID:12201015

Given below are two statements:

Statement I: In web based survey research, it is an advantage that the investigator does not have to be present when a participant is interested in engaging in the task.

Statement II: In web based survey research, it is a disadvantage that the investigator is not present to provide clarify/remove doubts when the participant is interested in engaging in the task.

In light of the above statements, choose the ***most appropriate*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : वेब आधारित सर्वेक्षण शोध में अन्वेषक को एक सुलाभ यह है जब कोई प्रतिभागी इस कार्य में सम्मिलित होता है तो अन्वेषक को उस समय उपस्थित नहीं होना पड़ता है।

कथन - II : वेब आधारित सर्वेक्षण शोध में अन्वेषक को यह अलाभ है की सर्वेक्षण कार्य में सम्मिलित होने के इच्छुक प्रतिभागियों को स्पष्टता/ शंका समाधान के लिए अन्वेषक उपस्थित नहीं होता है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22957]
2[Option ID=22958]
3[Option ID=22959]
4[Option ID=22960]

Sl. No.116
QBID:12201016

Communication is a dynamic process across

1. The meta universe
2. Inanimate phenomena
3. Varied situations
4. Specific populations only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

संप्रेषण निम्नलिखित में से किसमें एक गतिशील प्रक्रिया है -

1. अधिब्रम्हाण्ड (मेटा यूनिवर्स) में
2. गैर-जीवंत परिघटनाओं (इनेनिमेट फेनोमेना) में
3. विविध परिस्थितियों में
4. केवल विशिष्ट जनसंख्याओं में

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=22961]
2[Option ID=22962]
3[Option ID=22963]
4[Option ID=22964]

Sl. No.117
QBID:12201017

The first World War was a stimulant for the development of

1. Radio
2. Films
3. The Press
4. The Internet

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

प्रथम विश्वयुद्ध निम्नलिखित में से किसके विकास के लिए उद्दीपक था?

1. रेडियो
2. फिल्में
3. प्रेस
4. इन्टरनेट

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=22965]
2[Option ID=22966]
3[Option ID=22967]
4[Option ID=22968]

Sl. No.118
QBID:12201018

In communication, the three major areas of analysis are:

A. particularism

B. semiotics

C. syntactics

D. programatics

E. virtual reality

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B, C and D only
3. C, D and E only
4. A, D and E only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

संप्रेषण मे विश्लेषण के तीन प्रमुख क्षेत्र क्या हैं?

A. विशिष्टतावाद

B. संकेतविज्ञान

C. वाक्य विन्यास विज्ञान

D. कार्यक्रमवाद

E. आभासी यथार्थ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल A, D और E

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=22969]
2[Option ID=22970]
3[Option ID=22971]
4[Option ID=22972]

Sl. No.119
QBID:12201019

To be effective, classroom communication must be

A. Top down

B. Analytical

C. Unresponsive

D. Adjustable

E. Progressive

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B, C and D only
3. C, D and E only
4. B, D and E only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

प्रभावी होने के लिए कक्षा-संचार निम्न में से होना चाहिए

A. अधोगामी

B. विश्लेषणात्मक

C. अप्रतिक्रियाशील

D. समायोज्य

E. प्रगतिशील

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और C
2. केवल B, C और D
3. केवल C, D और E
4. केवल B, D और E

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=22973]
2[Option ID=22974]
3[Option ID=22975]
4[Option ID=22976]

Sl. No.120
QBID:12201020

Given below are two statements:

Statement I: The Internet has provided new communication channels to youngsters in societies that are socially conditioned.

Statement II: The new media can be used for harmless fun and entertainment, but otherwise also.

In light of the above statements, choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : सामाजिक रूप से अनुकूलित समाजों में इन्टरनेट ने युवा पीढ़ी को नए संचार मार्ग दिए हैं।

कथन - II : नए माध्यम का उपयोग हानिरहित आमोद-प्रमोद और मनोरंजन के लिए किया जा सकता है। लेकिन यह अन्यथा भी हो सकता है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22977]
2[Option ID=22978]
3[Option ID=22979]
4[Option ID=22980]

Sl. No.121
QBID:12201021

In a bookshop, 40% of the books are in English. Out of the remaining books 60% are in Hindi. The remaining 3600 books are in other regional languages. Find the total number of books in the bookshop.

1. 15,000
2. 16,000
3. 18,000
4. 20,000

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

पुस्तकों की एक दुकान में 40 % पुस्तकें अंग्रेजी में हैं। बची हुई पुस्तकों की 60 % हिंदी में हैं। शेष बची 3,600 पुस्तकें अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में हैं। पुस्तकों की दुकान में कुल पुस्तकें कितनी हैं?

1. 15,000
2. 16,000
3. 18,000
4. 20,000

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22981]
2[Option ID=22982]
3[Option ID=22983]
4[Option ID=22984]

Sl. No.122
QBID:12201022

Find the value of the following expression:

$$\frac{5.2 \times 5.2 - 2.5 \times 2.5}{7.7 \times 2.7}$$

1. $\frac{20.79}{20.25}$
2. $\frac{20.75}{20.50}$
3. 2
4. 1

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित व्यंजक के मान का पता लगाइए

$$\frac{5.2 \times 5.2 - 2.5 \times 2.5}{7.7 \times 2.7}$$

1. $\frac{20.79}{20.25}$
2. $\frac{20.75}{20.50}$
3. 2
4. 1

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22985]
2[Option ID=22986]
3[Option ID=22987]
4[Option ID=22988]

Sl. No.123
QBID:12201023

If A is an integer, then which of the following statement(s) is/are true?

A. A+1 will be odd

B. A^2+2 will be odd

C. A+2 will be odd

D. 2A-1 will be odd

E. A^2+1 will be odd

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and B only
2. A, B and C only
3. D and E only
4. D only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

यदि A एक पूर्णांक है, तो निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

A. A+1 एक विषम संख्या होगी

B. A^2+2 एक विषम संख्या होगी

C. A+2 एक विषम संख्या होगी

D. 2A-1 एक विषम संख्या होगी

E. A^2+1 एक विषय संख्या होगी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और B
2. केवल A, B और C
3. केवल D और E
4. केवल D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=22989]
2[Option ID=22990]
3[Option ID=22991]
4[Option ID=22992]

Sl. No.124
QBID:12201024

If the fractions 2/5, 3/8, 4/9, 5/13 and 6/11 are arranged in ascending order of their values, then which of the fractions will be the third in the ordered sequence?

1. 2/5
2. 4/9
3. 5/13
4. 3/8

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

यदि भिन्नों 2/5, 3/8, 4/9, 5/13 और 6/11 को उनके मान के आरोही क्रम में लगाया जाय तो उस क्रम में तीसरे स्थान पर कौन सा भिन्न होगा?

1. 2/5
2. 4/9
3. 5/13
4. 3/8

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=22993]
2[Option ID=22994]
3[Option ID=22995]
4[Option ID=22996]

Sl. No.125
QBID:12201025

If in a coded language, '154' means 'Good and Tasty'; '4 6 8' means 'See Good Pictures'; and ''6 2 9' means 'Pictures are Faint'. then which of the following digit stands for 'See'?

1. 9
2. 8
3. 4
4. 6

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

यदि किसी कूट भाषा में '154' का अर्थ है 'अच्छे और स्वादिष्ट', '468' का अर्थ है 'देखो अच्छे चित्र', और '629' का अर्थ है 'चित्र हैं धुंधले', तो निम्नलिखित में से कौन अंक 'देखो' को निर्दिष्ट करता है?

1. 9
2. 8
3. 4
4. 6

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=22997]
2[Option ID=22998]
3[Option ID=22999]
4[Option ID=23000]

Sl. No.126
QBID:12201026

"Does the distinguished Member of the Parliament really believe that the Indian public is so naive that they will endorse just any stopgap measure"? Which fallacy is committed in the above arugument?

1. Begging the question
2. Red Herring
3. Appeal to Ignorance
4. Complex Question

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

"क्या माननीय संसद सदस्य वास्तव में विश्वास करते हैं कि भारत के लोग इतने भोले-भाले हैं कि वे किसी भी कामचलाऊ उपाय का समर्थन करेंगे?" उपरोक्त कथन में किस प्रकार का तर्कदोष है?

1. आत्माश्रय दोष
2. रेड हेरिंग
3. अनभिज्ञता का आग्रह
4. छलप्रश्न

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23001]
2[Option ID=23002]
3[Option ID=23003]
4[Option ID=23004]

Sl. No.127
QBID:12201027

If the statement - "Some pandas are herbivorous animals", is given as true, then which of the following statements can be immediately inferred to be false?

1. No pandas are herbivorous animals.
2. All pandas are herbivorous animals.
3. Some pandas are not herbivorous animals.
4. All herbivorous animals are pandas.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

यदि कथन "कुछ पांडा शाकाहारी जानवर हैं" को सत्य के रूप में दिया गया है, तब निम्नलिखित में से कौन सा कथन त्वरित ढंग से असत्य होने के रूप में अनुमानित किया जा सकता है?

1. कोई भी पांडा शाकाहारी जानवर नहीं है।
2. सभी पांडा शाकाहारी जानवर हैं।
3. कुछ पांडा शाकाहारी जानवर नहीं हैं।
4. सभी शाकाहारी जानवर पांडा हैं।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23005]
2[Option ID=23006]
3[Option ID=23007]
4[Option ID=23008]

Sl. No.128
QBID:12201028

Which of the following statements are so related that they cannot both be false, although they may both be true?

A. All mushrooms are fungi.

B. No mushrooms are fungi.

C. Some mushrooms are fungi.

D. Some mushrooms are not fungi.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. C and D only
2. A and B only
3. A and C only
4. B and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन-से कथन इस प्रकार से संबंधित हैं कि वे दोनों एक साथ असत्य नहीं हो सकते; यद्यपि वे दोनों सत्य हो सकते हैं?

A. सभी मशरूम कवक हैं।

B. कोई भी मशरूम कवक नहीं हैं।

C. कुछ मशरूम कवक हैं।

D. कुछ मशरूम कवक नहीं हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल C और D
2. केवल A और B
3. केवल A और C
4. केवल B और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23009]
2[Option ID=23010]
3[Option ID=23011]
4[Option ID=23012]

Sl. No.129
QBID:12201029

Which of the following statements are logically equivalent?

A. Some plants are non-fungi.

B. Some plants are not fungi.

C. Some fungi are plants.

D. Some non-fungi are not non-plants.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. B, C and D only
2. B and C only
3. A, C and D only
4. A, B and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित कौन-से कथन तार्किक रूप से समतुल्य हैं?

A. कुछ पौधे गैर-कवक हैं।

B. कुछ पौधे कवक नहीं हैं।

C. कुछ कवक पौधे हैं।

D. कुछ गैर-कवक, गैर-पौधे नहीं हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल B, C और D
2. केवल B और C
3. केवल A, C और D
4. केवल A, B और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23013]
2[Option ID=23014]
3[Option ID=23015]
4[Option ID=23016]

Sl. No.130
QBID:12201030

According to classical Indian School of logic (Nyāya) which of the following steps of inference (anumāna) corresponds to application (upnaya)?

A. That mountain has fire.

B. Whatever has smoke has fire, e.g. an oven.

C. That mountain has smoke such as is invariably accompanied by fire.

D. Because it has smoke.

E. Therefore that mountain has fire.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. C only
2. A only
3. C and E only
4. D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

भारतीय शास्त्रीय न्याय मत के अनुसार निम्नलिखित कौन सा/से चरण उपनय के समरूप है/हैं ?

A. उस पर्वत पर आग हैं।

B. जहाँ-जहाँ धुआँ है, वहाँ वहाँ आग है, जैसे चूल्हा।

C. उस पर्वत पर धुआँ है जैसा कि आग धुएं के साथ निरपवाद-रुप से विद्यमान (संलग्न) रहती है।

D. क्योंकि उस पर धुआँ है।

E. इसलिए उस पर्वत पर आग है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल C
2. केवल A
3. केवल C और E
4. केवल D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23017]
2[Option ID=23018]
3[Option ID=23019]
4[Option ID=23020]

Sl. No.131
QBID:12201031

Tina has bought a 4 gigabyte MP3 player. If each song lasts 3 minutes and is recorded at 128 kilo bits per second, then how many songs can be stored on Tina's MP3 player?

1. 1156
2. 1256
3. 1356
4. 1456

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

टीना ने एक 4 गीगाबाइट का MP3 प्लेयर खरीदा। यदि प्रत्येक गीत 3 मिनट तक बजता है और 128 किलोबिट प्रति-सेकेण्ड की दर पर रिकार्ड किया जाता है; तब टीना के MP3 प्लेयर में कितने गीतों को संग्रहित किया जा सकता है ?

1. 1156
2. 1256
3. 1356
4. 1456

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23021]
2[Option ID=23022]

3[Option ID=23023]
4[Option ID=23024]

Sl. No.132
QBID:12201032

Which of the following statements about email are TRUE?

A. You can create folders to store and organise your emails.

B. Using the Cc feature will hide all other recipients from each other.

C. You can add attachments of any file size to an email.

D. You can add signatures to your emails to give personal contact details.

E. You can only send emails from a laptop computer.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and B only
2. A and C only
3. A and D only
4. B, C and E only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

ई-मेल के बारे में निम्नलिखित कौन-से कथन सत्य हैं?

A. आप अपने ई-मेल का संग्रह करने एवं सुव्यवस्थित करने हेतु फ़ोल्डर बना सकते हैं।

B. सी सी (Cc) विशेषता (फीचर) का प्रयोग सभी अन्य प्राप्तकर्ताओं को एक-दूसरे से छिपा देगा।

C. आप किसी ई-मेल में किसी भी आकार वाली फ़ाइल के अटैचमेंट (संलग्नकों) को संबंद्ध कर (जोड़) सकते हैं।

D. आप निजी संपर्क विवरण प्रदान हेतु अपने ई-मेल में हस्ताक्षर को संलग्न (जोड़) कर सकते हैं।

E. आप केवल लॅपटॉप से ही ई-मेल प्रेषित कर सकते हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और B
2. केवल A और C
3. केवल A और D
4. केवल B, C और E

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=23025]
2[Option ID=23026]

3[Option ID=23027]
4[Option ID=23028]

Sl. No.133
QBID:12201033

Given below are two statements:

Statement I: .txt, .rtf and .csv are three file extensions used for generic text files.

Statement II: .rar file extension is an acronym for Roshal ARchive; deveoped by Russian software engineer Eugene Roshal.

In light of the above statements, choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : .txt, .rtf और .csv सामान्य पाठ (टेक्स्ट) फ़ाइलों हेतु प्रयुक्त होने वाले तीन फ़ाइल एक्सटेंशन (विस्तार) हैं।

कथन - II : .rar फाइल एक्सटेंशन रोशाल आर्काइव का परिवर्णी शब्द है जिसे रूसी सॉफ्टवेयर इंजीनियर यूजीन रोशाल ने विकसित किया था।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23029]
2[Option ID=23030]
3[Option ID=23031]
4[Option ID=23032]

Sl. No.134
QBID:12201034

Which one of the follwing acronyms matches incorrectly with their full form?

1. VoIP - Voice Over Internet Protocol
2. WLAN - Wired Local Area Network
3. HTML - Hyper Text Markup Language
4. CMOS - Complementary Metal Oxide Semiconductor

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन-सा एक परिवर्णी शब्द अपने पूर्ण-नाम से गलत तरीके से सुमेलित है?

1. VoIP = वाइस ओवर इण्टरनेट प्रोटोकॉल
2. WLAN = वायर्ड लोकल एरिया नेटवर्क
3. HTML = हायपर टेक्स्ट मार्कअप लैंग्वेज
4. CMOS = कांप्लिमेंटरी मेटल ऑक्साइड सेमीकंडक्टर

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23033]
2[Option ID=23034]
3[Option ID=23035]
4[Option ID=23036]

Sl. No.135
QBID:12201035

Identify the correct order of the following memory types in decreasing order of access time.

A. RAM

B. SSD

C. CPU Cache

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, C, B
2. C, A, B
3. B, C, A
4. B, A, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

अभिगम अवधि के अवरोही क्रम में निम्नलिखित मेमोरी प्रकारों के सही-क्रम को चिन्हित कीजिए:

A. RAM (आर ए एम)

B. SSD (एस एस डी)

C. CPU Cache (सी पी यु कैशे)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. A, C, B
2. C, A, B
3. B, C, A
4. B, A, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23037]
2[Option ID=23038]
3[Option ID=23039]
4[Option ID=23040]

Sl. No.136
QBID:12201036

Which of the following Millenium Deveopment Goals (MDGs) had the highest number of targets?

1. Goal 5 : Improve Maternal Health
2. Goal 6 : Combat HIV / AIDS
3. Goal 7 : Ensure Environmental Sustainability
4. Goal 8 : Develop a Global Partnership for Development

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित सहस्राब्दी विकास उद्देश्यों (एम डी जी) में से किसके अधिकतम लक्ष्य थे?

1. उद्देश्य 5 : मातृक स्वास्थ्य में सुधार
2. उद्देश्य 6 : एचआईवी / एड्स से मुकाबला
3. उद्देश्य 7 : पर्यावरणीय सततता सुनिश्चित करना
4. उद्देश्य 8 : विकास के लिए वैश्विक भागीदारी विकसित करना

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23041]
2[Option ID=23042]
3[Option ID=23043]
4[Option ID=23044]

Sl. No.137
QBID:12201037

Which of the following diseases are caused by atmospheric particulate matters?

A. Asthama

B. Melanoma

C. Dry Eye Syndrome

D. Bronchitis

E. Chronic Obstructive Pulmonary Diseases (COPD)

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B, C and D only
2. B, C, D and E only
3. A, C, D and E only
4. A, B, D and E only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से कौन से रोग वायुमंडलीय कणिकीय पदार्थों के कारण होते हैं?

A. दमा

B. मेलानोमा

C. सूखी आंख संलक्षण

D. श्वसनी शोथ

E. चिरकालिक बाधक फुफ्फुसीय रोग (सी ओ पी डी)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B, C और D
2. केवल B, C, D और E
3. केवल A, C, D और E
4. केवल A, B, D और E

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=23045]
2[Option ID=23046]
3[Option ID=23047]
4[Option ID=23048]

Sl. No.138
QBID:12201038

Given below are two statements:

Statement I: Amount of oxygen dissolved in water is a good indicator of water quality and of the kinds of life it will suppport.

Statement II: Chemical Oxygen Demand (COD) is a measure of dissolved oxygen consumed by aquatic microorganisms.

In light of the above statements, choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : जल में घुली आक्सीजन की मात्रा जल की गुणवत्ता और इसके द्वारा समर्थित जीवन के प्रकारों की एक उत्तम संकेतक है।

कथन - II : रासायनिक आक्सीजन मांग (सी ओ डी) जलीय सूक्ष्मजीवियों द्वारा उपभोग की गई घुली हुई आक्सीजन की मापक है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23049]
2[Option ID=23050]
3[Option ID=23051]
4[Option ID=23052]

Sl. No.139
QBID:12201039

Given below are two statements:

Statement I: Reactor is the heart of any nuclear power plant.

Statement II: In case of nuclear power plants, except the reactor, the technology is exactly similar to any other fossil fueled power plant.

In light of the above statements, choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : रिएक्टर किसी भी नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र का हृदय होता है।

कथन - II : नाभिकीय ऊर्जा संयंत्रों के मामले में, रिएक्टर के सिवाय प्रौद्योगिकी किसी भी अन्य जीवाश्म ईंधन से चलने वाले ऊर्जा संयंत्र के समान होती है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23053]
2[Option ID=23054]
3[Option ID=23055]
4[Option ID=23056]

Sl. No.140
QBID:12201040

Which one of the following pollutants is responsible for acid rain formation?

1. CH_4 (Methane)
2. C_6H_6 (Benzene)
3. SO_2 (Sulphur dioxide)
4. CO (Carbon monoxide)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन सा प्रदूषक अम्लीय वर्षा कि रचना के लिए उत्तरदायी है?

1. CH_4 (मीथेन)
2. C_6H_6 (बैंजीन)
3. SO_2 (सल्फर डाई आक्साइड)
4. CO (कार्बन मोनो आक्साइड)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23057]
2[Option ID=23058]
3[Option ID=23059]
4[Option ID=23060]

Sl. No.141
QBID:12201041

As per NEP-2020, for offering a 4-year integrated teacher preparation programme, all the Teacher Education Institutions (TEIs) will be required to convert to multidisciplinary institutions by:

1. 2030
2. 2040
3. 2025
4. 2035

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नई शिक्षा नीति-2020 के अनुसार, एक 4 वर्षीय समेकित शिक्षक तैयारी कार्यक्रम की शुरुआत करने हेतु सभी शिक्षक शिक्षा संस्थानों (टी ई आई) को बहु-विषयक संस्थानों के रूप में निम्नांकित किस वर्ष तक परिवर्तित करना होगा?

1. 2030
2. 2040
3. 2025
4. 2035

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=23061]
2[Option ID=23062]
3[Option ID=23063]
4[Option ID=23064]

Sl. No.142
QBID:12201042

Find out the names of ancient Indian universities whose names are mentioned in NEP 2020?

A. Nalanda

B. Takshashila

C. Mithila

D. Valabhi

E. Vikramshila

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. C, D and E only
2. A, B, C and E only
3. A, B, D and E only
4. A, B and D only

(1) 1
(2) 2
(3) 3

(4) 4

नई शिक्षा नीति 2020 में उल्लिखित प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों के नामों को ज्ञात कीजिए।

A. नालंदा

B. तक्षशिला

C. मिथिला

D. वलभी

E. विक्रमशिला

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल C, D और E
2. केवल A, B, C और E
3. केवल A, B, D और E
4. केवल A, B और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23065]
2[Option ID=23066]
3[Option ID=23067]
4[Option ID=23068]

Sl. No.143
QBID:12201043

Which of the following universities were established under the provision of the Acts of incorporation passed by the governor-general and Viceroy Lord Canning, in January 1857.

A. Calcutta

B. Panjab

C. Madras

D. Bombay

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A and D only
2. A, B and C only
3. A, C and D only
4. A, B, C and D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

गवर्नर-जनरल एवं वायसराय लार्ड कैनिंग द्वारा जनवरी 1957 में पारित किए गए समावेशन के अधिनियमों के उपबंध के अंतर्गत निम्नलिखित कौन-से विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई थी?

A. कलकत्ता

B. पंजाब

C. मद्रास

D. बाम्बे

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A और D
2. केवल A, B और C
3. केवल A, C और D
4. A, B, C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23069]
2[Option ID=23070]
3[Option ID=23071]
4[Option ID=23072]

Sl. No.144
QBID:12201044

How many regional centers of UGC are there in India?

1. Four
2. Five
3. Six
4. Eight

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

भारत में यू जी सी के कितने क्षेत्रीय केंद्र हैं?

1. चार
2. पाँच
3. छः
4. आठ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23073]
2[Option ID=23074]
3[Option ID=23075]
4[Option ID=23076]

Sl. No.145
QBID:12201045

National Programme on Technology Enhanced Learning (NPTEL) is the largest online repository in the world of courses in:

A. Yoga and Meditation

B. Engineering

C. Visual Arts

D. Basic Sciences

E. Selected Humanities and Management Subjects

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, C and E only
2. B and C only
3. B, D and E only
4. A, B, C and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

प्रौद्योगिकी संवर्धित अधिगम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (एन पी टी ई एल) विश्व में किन पाठ्यक्रमों का सबसे बड़ा ऑनलाइन संग्रह है?

A. योग और ध्यान

B. अभियांत्रिकी

C. दृश्य कलाएं

D. मूलभूत विज्ञान

E. चुनिंदा मानविकी और प्रबंधन विषय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, C और E
2. केवल B और C
3. केवल B, D और E
4. केवल A, B, C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23077]
2[Option ID=23078]
3[Option ID=23079]
4[Option ID=23080]

Sl. No.146
QBID:12201046

Read the following passage and answer the question:

As adults we develop a complex set of emotional expressions and perceptual understanding of our own and other's emotional states. Infants appear to have two innate rudimentary emotional arousal responses to stimuli referred to as approach and avoidance. The infant's emotional life consists of little more than these two arousal states, an attraction to pleasant stimulation therefore eliciting approach and withdrawal or avoidance of unpleasant stimulation. Given that this is the nature of emotional arousal the new-born arrives equipped with, the approach avoidance response makes perfect evolutionary sense. This is all the new-born needs at this juncture in their lifespan development. It might also suggest that infants are born with an innate understanding of the meaning intended in the emotional facial expressions of others. Hence if the caregiver adopts a playful posture and conveys a happy facial expression, then the infant will be in an approach arousal state and most likely respond positively by mirroring the expression portrayed. The opposite also applies, however, where parents adopting a despondent posture are likely to initiate an avoidance arousal state in the infant. Under these circumstances the infant will feel uncomfortable and will want the situation to change. In an avoidance arousal state the infant will exhibit behaviours designed to provoke a change in the parent's behaviour such as crying and 'pick-me-up' gesturing or sucking an object such as a pacifier or the edge of a blanket. A continuation of parental despondency could have serious consequences for the infant's normal socioemotional development. This could cause, alterations to the infant's sleeping patterns and increase levels of irritability, anger and anxiousness. An infant's avoidance of aversive situations is limited due to their immature motor development, so they resort to simple avoidance tactics such as turning the head, gaze avoidance and crying. These types of behaviours are attempts at modulating their emotional arousal state. Modulation or emotional self-regulation refers to the strategies we use to adjust our emotional state to a level of intensity we feel comfortable with.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सम्बंधित पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक प्रौढ के रूप में हम अपने स्वयं की संवेगात्मक अभिव्यक्तियों और अविरत बोध एवं दूसरे की संवेगात्मक अवस्थाओं का एक संश्लिष्ट प्रवृत्ति का विकास करते हैं। शिशु में दो नैसर्गिक अल्पविकसित संवेगात्मक उद्बोधन की अनुक्रिया होती हैं जो उद्दीपन करती हैं जिसे उपागम और और परिवर्जन/ परिहार के रूप में संदर्भित किया जाता है। शिशु के संवेगात्मक जीवन में इन दो उद्बोधनों से अधिक कुछ और होता है: एक प्रीतिकर उत्प्रेरणा के प्रति आकर्षण, इस कारण उपागम और प्रत्याहार या अप्रीतिकर उत्प्रेरणा का परिहार निष्कर्षतः प्राप्त होना है। इससे प्राप्त होता है कि यह संवेगात्मक उद्बोधन की प्रकृति है और एक नवजात में विद्यमान होती है, उपागम-परिहार अनुक्रिया पूर्ण क्रम विकास संवेदना निर्मित करती है। यह सब नवजात की आवश्यकताएं हैं और उनके जीवन पर्यंत विकास का संयोजन है। यह भी सुझाव दिया जा सकता है कि नवजात दूसरों की संवेगात्मक आनन अभिव्यक्ति में निहित अर्थों के नैसर्गिक बोधगम्यता के साथ पैदा होते हैं। इसलिए यदि देखभालकर्ता विनोदशील भंगिमा बनाता है और प्रसन्नचित आनन अभिव्यक्ति करता है तब शिशु भी उद्बोधनात्मक अवस्था के उपागम में होगा और अभिनीत अभिव्यक्ति का प्रतिबिंबन करते हुए प्रायः सकारात्मक रूप से अनुक्रिया करेगा। यद्यपि इसके विपरीत भी हो सकता है। जब माता-पिता अवसादपूर्ण भंगिमा बनाते हैं, तब शिशु में परिहार उद्बोधन की स्थिति दिखाई देती है। इन परिस्थितियों के अंतर्गत शिशु असहज महसूस करेगा और स्थिति में परिवर्तन की चाह करेगा। परिहार उद्बोधन कि दशा में शिशु माता-पिता/ अभिभावक के व्यवहार में परिवर्तन के लिए ध्यानाकर्षण हेतु प्रदर्शित व्यवहारों जैसे चिल्लाना, 'मुझे गोदी में उठालो' का संकेतन या वस्तु जैसे शमक या कंबल के किनारे को चूसने का प्रयोग करता है। माता-पिता के सतत अवसाद का शिशु के सामान्य सामाजिक-संवेदनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इससे बच्चे की नींद प्रवृत्ति (शयन प्रतिरूप) चिड़चिड़ापन के स्तर में वृद्धि, क्रोध तथा चिन्ताग्रस्तता में परिवर्तन हो सकता है। एक शिशु की प्रतिकूल स्थितियों का परिहार सीमित है क्योंकि उसका शारीरिक विकास अपरिपक्व होता है, इसलिए वे सामान्य परिहार युक्तियों जैसे सिर घुमाना, एक टक देखते हुए परिहार प्रदर्शित करना और चिल्लाने के व्यवहार का सहारा लेते हैं। व्यवहारों के ये रूप उनके संवेदात्मक उद्बोधन अवस्था के अनुकूलन के प्रयास हैं। अनुकूलन या संवेगात्मक आत्मनियमन का संदर्भ उन रणनीतियों के लिए किया जाता है जिनका अपने को सहज महसूस करने हेतु अपने संवेगात्मक तीव्रता स्तर को समायोजित करने के लिए हम प्रयोग करते हैं।

The above passage has most likely been taken from a text on

1. Human Biology
2. Parent Education
3. Emotional Development
4. Children Upbringing

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

उपर्युक्त गद्यांश सर्वाधिक संभवतया किस पाठ से लिया गया है?

1. मानव जीव विज्ञान
2. माता-पिता (अभिभावक) शिक्षा
3. संवेगात्मक विकास
4. बच्चों का पालन-पोषण

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23081]
2[Option ID=23082]
3[Option ID=23083]
4[Option ID=23084]

Sl. No.147
QBID:12201047

Read the following passage and answer the question:

As adults we develop a complex set of emotional expressions and perceptual understanding of our own and other's emotional states. Infants appear to have two innate rudimentary emotional arousal responses to stimuli referred to as approach and avoidance. The infant's emotional life consists of little more than these two arousal states, an attraction to pleasant stimulation therefore eliciting approach and withdrawal or avoidance of unpleasant stimulation. Given that this is the nature of emotional arousal the new-born arrives equipped with, the approach avoidance response makes perfect evolutionary sense. This is all the new-born needs at this juncture in their lifespan development. It might also suggest that infants are born with an innate understanding of the meaning intended in the emotional facial expressions of others. Hence if the caregiver adopts a playful posture and conveys a happy facial expression, then the infant will be in an approach arousal state and most likely respond positively by mirroring the expression portrayed. The opposite also applies, however, where parents adopting a despondent posture are likely to initiate an avoidance arousal state in the infant. Under these circumstances the infant will feel uncomfortable and will want the situation to change. In an avoidance arousal state the infant will exhibit behaviours designed to provoke a change in the parent's behaviour such as crying and 'pick-me-up' gesturing or sucking an object such as a pacifier or the edge of a blanket. A continuation of parental despondency could have serious consequences for the infant's normal socioemotional development. This could cause, alterations to the infant's sleeping patterns and increase levels of irritability, anger and anxiousness. An infant's avoidance of aversive situations is limited due to their immature motor development, so they resort to simple avoidance tactics such as turning the head, gaze avoidance and crying. These types of behaviours are attempts at modulating their emotional arousal state. Modulation or emotional self-regulation refers to the strategies we use to adjust our emotional state to a level of intensity we feel comfortable with.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सम्बंधित पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक प्रौढ के रूप में हम अपने स्वयं की संवेगात्मक अभिव्यक्तियों और अविरत बोध एवं दूसरे की संवेगात्मक अवस्थाओं का एक संश्लिष्ट प्रवृत्ति का विकास करते हैं। शिशु में दो नैसर्गिक अल्पविकसित संवेगात्मक उद्बोधन की अनुक्रिया होती हैं जो उद्दीपन करती हैं जिसे उपागम और और परिवर्जन/ परिहार के रूप में संदर्भित किया जाता है। शिशु के संवेगात्मक जीवन में इन दो उद्बोधनों से अधिक कुछ और होता है: एक प्रीतिकर उत्प्रेरणा के प्रति आकर्षण, इस कारण उपागम और प्रत्याहार या अप्रीतिकर उत्प्रेरणा का परिहार निष्कर्षतः प्राप्त होना है। इससे प्राप्त होता है कि यह संवेगात्मक उद्बोधन की प्रकृति है और एक नवजात में विद्यमान होती है, उपागम-परिहार अनुक्रिया पूर्ण क्रम विकास संवेदना निर्मित करती है। यह सब नवजात की आवश्यकताएं हैं और उनके जीवन पर्यंत विकास का संयोजन है। यह भी सुझाव दिया जा सकता है कि नवजात दूसरों की संवेगात्मक आनन अभिव्यक्ति में निहित अर्थों के नैसर्गिक बोधगम्यता के साथ पैदा होते हैं। इसलिए यदि देखभालकर्ता विनोदशील भंगिमा बनाता है और प्रसन्नचित आनन अभिव्यक्ति करता है तब शिशु भी उद्बोधनात्मक अवस्था के उपागम में होगा और अभिनीत अभिव्यक्ति का प्रतिबिंबन करते हुए प्रायः सकारात्मक रूप से अनुक्रिया करेगा। यद्यपि इसके विपरीत भी हो सकता है। जब माता-पिता अवसादपूर्ण भंगिमा बनाते हैं, तब शिशु में परिहार उद्बोधन की स्थिति दिखाई देती है। इन परिस्थितियों के अंतर्गत शिशु असहज महसूस करेगा और स्थिति में परिवर्तन की चाह करेगा। परिहार उद्बोधन कि दशा में शिशु माता-पिता/ अभिभावक के व्यवहार में परिवर्तन के लिए ध्यानाकर्षण हेतु प्रदर्शित व्यवहारों जैसे चिल्लाना, 'मुझे गोदी में उठालो' का संकेतन या वस्तु जैसे शमक या कंबल के किनारे को चूसने का प्रयोग करता है। माता-पिता के सतत अवसाद का शिशु के सामान्य सामाजिक-संवेदनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इससे बच्चे की नींद प्रवृत्ति (शयन प्रतिरूप) चिड़चिड़ापन के स्तर में वृद्धि, क्रोध तथा चिन्ताग्रस्तता में परिवर्तन हो सकता है। एक शिशु की प्रतिकूल स्थितियों का परिहार सीमित है क्योंकि उसका शारीरिक विकास अपरिपक्व होता है, इसलिए वे सामान्य परिहार युक्तियों जैसे सिर घुमाना, एक टक देखते हुए परिहार प्रदर्शित करना और चिल्लाने के व्यवहार का सहारा लेते हैं। व्यवहारों के ये रूप उनके संवेदात्मक उद्बोधन अवस्था के अनुकूलन के प्रयास हैं। अनुकूलन या संवेगात्मक आत्मनियमन का संदर्भ उन रणनीतियों के लिए किया जाता है जिनका अपने को सहज महसूस करने हेतु अपने संवेगात्मक तीव्रता स्तर को समायोजित करने के लिए हम प्रयोग करते हैं।

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A): An infant's avoidance of unpleasant stimulations or situations is limited.

Reason (R): An infant is unable to decode the emotions expressed from others' faces.

In light of the above statements, choose the *most appropriate* answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).
3. (A) is correct but (R) is not correct.
4. (A) is not correct but (R) is correct.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : एक शिशु के लिए अप्रसन्न उद्दीपन या स्थितियों का परिहार सीमित है।

कारण (R) : एक शिशु दूसरों के चेहरे की संवेगात्मक अभिव्यक्ति का विकूटन करने में असमर्थ होता है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23085]
2[Option ID=23086]
3[Option ID=23087]
4[Option ID=23088]

Sl. No.148
QBID:12201048

Read the following passage and answer the question:

As adults we develop a complex set of emotional expressions and perceptual understanding of our own and other's emotional states. Infants appear to have two innate rudimentary emotional arousal responses to stimuli referred to as approach and avoidance. The infant's emotional life consists of little more than these two arousal states, an attraction to pleasant stimulation therefore eliciting approach and withdrawal or avoidance of unpleasant stimulation. Given that this is the nature of emotional arousal the new-born arrives equipped with, the approach avoidance response makes perfect evolutionary sense. This is all the new-born needs at this juncture in their lifespan development. It might also suggest that infants are born with an innate understanding of the meaning intended in the emotional facial expressions of others. Hence if the caregiver adopts a playful posture and conveys a happy facial expression, then the infant will be in an approach arousal state and most likely respond positively by mirroring the expression portrayed. The opposite also applies, however, where parents adopting a despondent posture are likely to initiate an avoidance arousal state in the infant. Under these circumstances the infant will feel uncomfortable and will want the situation to change. In an avoidance arousal state the infant will exhibit behaviours designed to provoke a change in the parent's behaviour such as crying and 'pick-me-up' gesturing or sucking an object such as a pacifier or the edge of a blanket. A continuation of parental despondency could have serious consequences for the infant's normal socioemotional development. This could cause, alterations to the infant's sleeping patterns and increase levels of irritability, anger and anxiousness. An infant's avoidance of aversive situations is limited due to their immature motor development, so they resort to simple avoidance tactics such as turning the head, gaze avoidance and crying. These types of behaviours are attempts at modulating their emotional arousal state. Modulation or emotional self-regulation refers to the strategies we use to adjust our emotional state to a level of intensity we feel comfortable with.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सम्बंधित पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक प्रौढ के रूप में हम अपने स्वयं की संवेगात्मक अभिव्यक्तियों और अविरत बोध एवं दूसरे की संवेगात्मक अवस्थाओं का एक संश्लिष्ट प्रवृत्ति का विकास करते हैं। शिशु में दो नैसर्गिक अल्पविकसित संवेगात्मक उद्बोधन की अनुक्रिया होती हैं जो उद्दीपन करती हैं जिसे उपागम और और परिवर्जन/ परिहार के रूप में संदर्भित किया जाता है। शिशु के संवेगात्मक जीवन में इन दो उद्बोधनों से अधिक कुछ और होता है: एक प्रीतिकर उत्प्रेरणा के प्रति आकर्षण, इस कारण उपागम और प्रत्याहार या अप्रीतिकर उत्प्रेरणा का परिहार निष्कर्षतः प्राप्त होना है। इससे प्राप्त होता है कि यह संवेगात्मक उद्बोधन की प्रकृति है और एक नवजात में विद्यमान होती है, उपागम-परिहार अनुक्रिया पूर्ण क्रम विकास संवेदना निर्मित करती है। यह सब नवजात की आवश्यकताएं हैं और उनके जीवन पर्यंत विकास का संयोजन है। यह भी सुझाव दिया जा सकता है कि नवजात दूसरों की संवेगात्मक आनन अभिव्यक्ति में निहित अर्थों के नैसर्गिक बोधगम्यता के साथ पैदा होते हैं। इसलिए यदि देखभालकर्ता विनोदशील भंगिमा बनाता है और प्रसन्नचित आनन अभिव्यक्ति करता है तब शिशु भी उद्बोधनात्मक अवस्था के उपागम में होगा और अभिनीत अभिव्यक्ति का प्रतिबिंबन करते हुए प्रायः सकारात्मक रूप से अनुक्रिया करेगा। यद्यपि इसके विपरीत भी हो सकता है। जब माता-पिता अवसादपूर्ण भंगिमा बनाते हैं, तब शिशु में परिहार उद्बोधन की स्थिति दिखाई देती है। इन परिस्थितियों के अंतर्गत शिशु असहज महसूस करेगा और स्थिति में परिवर्तन की चाह करेगा। परिहार उद्बोधन कि दशा में शिशु माता-पिता/ अभिभावक के व्यवहार में परिवर्तन के लिए ध्यानाकर्षण हेतु प्रदर्शित व्यवहारों जैसे चिल्लाना, 'मुझे गोदी में उठालो' का संकेतन या वस्तु जैसे शमक या कंबल के किनारे को चूसने का प्रयोग करता है। माता-पिता के सतत अवसाद का शिशु के सामान्य सामाजिक-संवेदनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इससे बच्चे की नींद प्रवृत्ति (शयन प्रतिरूप) चिड़चिड़ापन के स्तर में वृद्धि, क्रोध तथा चिन्ताग्रस्तता में परिवर्तन हो सकता है। एक शिशु की प्रतिकूल स्थितियों का परिहार सीमित है क्योंकि उसका शारीरिक विकास अपरिपक्व होता है, इसलिए वे सामान्य परिहार युक्तियों जैसे सिर घुमाना, एक टक देखते हुए परिहार प्रदर्शित करना और चिल्लाने के व्यवहार का सहारा लेते हैं। व्यवहारों के ये रूप उनके संवेदात्मक उद्बोधन अवस्था के अनुकूलन के प्रयास हैं। अनुकूलन या संवेगात्मक आत्मनियमन का संदर्भ उन रणनीतियों के लिए किया जाता है जिनका अपने को सहज महसूस करने हेतु अपने संवेगात्मक तीव्रता स्तर को समायोजित करने के लिए हम प्रयोग करते हैं।

The angry face of a parent will most likely generate which among the following responses in a new born child.

A. Crying

B. A smiling face to pacify the parent.

C. Sucking the edge of a blanket .

D. 'Pick-me-up' gesture.

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. A, C and D only
3. B, C and D only
4. A, B and D only

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

माता-पिता की क्रोधमय आनन अभिव्यक्ति से एक नवजात शिशु में कौन-सी अधिक संभावित अनुक्रिया प्रकट होगी?

A. चिल्लाना

B. माता-पिता को शांत करने हेतु मुस्कुराहट भरा चेहरा

C. कंबल के किनारे को चूसना

D. 'मुझे गोदी में उठालो' का संकेत

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और C
2. केवल A, C और D
3. केवल B, C और D
4. केवल A, B और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23089]
2[Option ID=23090]
3[Option ID=23091]
4[Option ID=23092]

Sl. No.149
QBID:12201049

Read the following passage and answer the question:

As adults we develop a complex set of emotional expressions and perceptual understanding of our own and other's emotional states. Infants appear to have two innate rudimentary emotional arousal responses to stimuli referred to as approach and avoidance. The infant's emotional life consists of little more than these two arousal states, an attraction to pleasant stimulation therefore eliciting approach and withdrawal or avoidance of unpleasant stimulation. Given that this is the nature of emotional arousal the new-born arrives equipped with, the approach avoidance response makes perfect evolutionary sense. This is all the new-born needs at this juncture in their lifespan development. It might also suggest that infants are born with an innate understanding of the meaning intended in the emotional facial expressions of others. Hence if the caregiver adopts a playful posture and conveys a happy facial expression, then the infant will be in an approach arousal state and most likely respond positively by mirroring the expression portrayed. The opposite also applies, however, where parents adopting a despondent posture are likely to initiate an avoidance arousal state in the infant. Under these circumstances the infant will feel uncomfortable and will want the situation to change. In an avoidance arousal state the infant will exhibit behaviours designed to provoke a change in the parent's behaviour such as crying and 'pick-me-up' gesturing or sucking an object such as a pacifier or the edge of a blanket. A continuation of parental despondency could have serious consequences for the infant's normal socioemotional development. This could cause, alterations to the infant's sleeping patterns and increase levels of irritability, anger and anxiousness. An infant's avoidance of aversive situations is limited due to their immature motor development, so they resort to simple avoidance tactics such as turning the head, gaze avoidance and crying. These types of behaviours are attempts at modulating their emotional arousal state. Modulation or emotional self-regulation refers to the strategies we use to adjust our emotional state to a level of intensity we feel comfortable with.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सम्बंधित पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक प्रौढ के रूप में हम अपने स्वयं की संवेगात्मक अभिव्यक्तियों और अविरत बोध एवं दूसरे की संवेगात्मक अवस्थाओं का एक संश्लिष्ट प्रवृत्ति का विकास करते हैं। शिशु में दो नैसर्गिक अल्पविकसित संवेगात्मक उद्बोधन की अनुक्रिया होती हैं जो उद्दीपन करती हैं जिसे उपागम और और परिवर्जन/ परिहार के रूप में संदर्भित किया जाता है। शिशु के संवेगात्मक जीवन में इन दो उद्बोधनों से अधिक कुछ और होता है: एक प्रीतिकर उत्प्रेरणा के प्रति आकर्षण, इस कारण उपागम और प्रत्याहार या अप्रीतिकर उत्प्रेरणा का परिहार निष्कर्षतः प्राप्त होना है। इससे प्राप्त होता है कि यह संवेगात्मक उद्बोधन की प्रकृति है और एक नवजात में विद्यमान होती है, उपागम-परिहार अनुक्रिया पूर्ण क्रम विकास संवेदना निर्मित करती है। यह सब नवजात की आवश्यकताएं हैं और उनके जीवन पर्यंत विकास का संयोजन है। यह भी सुझाव दिया जा सकता है कि नवजात दूसरों की संवेगात्मक आनन अभिव्यक्ति में निहित अर्थों के नैसर्गिक बोधगम्यता के साथ पैदा होते हैं। इसलिए यदि देखभालकर्ता विनोदशील भंगिमा बनाता है और प्रसन्नचित आनन अभिव्यक्ति करता है तब शिशु भी उद्बोधनात्मक अवस्था के उपागम में होगा और अभिनीत अभिव्यक्ति का प्रतिबिंबन करते हुए प्रायः सकारात्मक रूप से अनुक्रिया करेगा। यद्यपि इसके विपरीत भी हो सकता है। जब माता-पिता अवसादपूर्ण भंगिमा बनाते हैं, तब शिशु में परिहार उद्बोधन की स्थिति दिखाई देती है। इन परिस्थितियों के अंतर्गत शिशु असहज महसूस करेगा और स्थिति में परिवर्तन की चाह करेगा। परिहार उद्बोधन कि दशा में शिशु माता-पिता/ अभिभावक के व्यवहार में परिवर्तन के लिए ध्यानाकर्षण हेतु प्रदर्शित व्यवहारों जैसे चिल्लाना, 'मुझे गोदी में उठालो' का संकेतन या वस्तु जैसे शमक या कंबल के किनारे को चूसने का प्रयोग करता है। माता-पिता के सतत अवसाद का शिशु के सामान्य सामाजिक-संवेदनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इससे बच्चे की नींद प्रवृत्ति (शयन प्रतिरूप) चिड़चिड़ापन के स्तर में वृद्धि, क्रोध तथा चिन्ताग्रस्तता में परिवर्तन हो सकता है। एक शिशु की प्रतिकूल स्थितियों का परिहार सीमित है क्योंकि उसका शारीरिक विकास अपरिपक्व होता है, इसलिए वे सामान्य परिहार युक्तियों जैसे सिर घुमाना, एक टक देखते हुए परिहार प्रदर्शित करना और चिल्लाने के व्यवहार का सहारा लेते हैं। व्यवहारों के ये रूप उनके संवेदात्मक उद्बोधन अवस्था के अनुकूलन के प्रयास हैं। अनुकूलन या संवेगात्मक आत्मनियमन का संदर्भ उन रणनीतियों के लिए किया जाता है जिनका अपने को सहज महसूस करने हेतु अपने संवेगात्मक तीव्रता स्तर को समायोजित करने के लिए हम प्रयोग करते हैं।

Given below are two statements:

Statement I: 'Approach' is an emotional arousal response in an infant towards pleasant stimulation.

Statement II: An infant has little understanding of the emotions conveyed through facial expressions of others.

In light of the above statements, choose the ***most appropriate*** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : 'उपागम' एक शिशु में विनोदशील उत्प्रेरणा के प्रति संवेगात्मक उद्बोधन अनुक्रिया है।

कथन - II : एक शिशु को दूसरों की आनन अभिव्यक्तियों द्वारा संप्रेषित संवेगों का बोध कम होता है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है , किन्तु कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है , किन्तु कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23093]
2[Option ID=23094]
3[Option ID=23095]
4[Option ID=23096]

Sl. No.150
QBID:12201050

Read the following passage and answer the question:

As adults we develop a complex set of emotional expressions and perceptual understanding of our own and other's emotional states. Infants appear to have two innate rudimentary emotional arousal responses to stimuli referred to as approach and avoidance. The infant's emotional life consists of little more than these two arousal states, an attraction to pleasant stimulation therefore eliciting approach and withdrawal or avoidance of unpleasant stimulation. Given that this is the nature of emotional arousal the new-born arrives equipped with, the approach avoidance response makes perfect evolutionary sense. This is all the new-born needs at this juncture in their lifespan development. It might also suggest that infants are born with an innate understanding of the meaning intended in the emotional facial expressions of others. Hence if the caregiver adopts a playful posture and conveys a happy facial expression, then the infant will be in an approach arousal state and most likely respond positively by mirroring the expression portrayed. The opposite also applies, however, where parents adopting a despondent posture are likely to initiate an avoidance arousal state in the infant. Under these circumstances the infant will feel uncomfortable and will want the situation to change. In an avoidance arousal state the infant will exhibit behaviours designed to provoke a change in the parent's behaviour such as crying and 'pick-me-up' gesturing or sucking an object such as a pacifier or the edge of a blanket. A continuation of parental despondency could have serious consequences for the infant's normal socioemotional development. This could cause, alterations to the infant's sleeping patterns and increase levels of irritability, anger and anxiousness. An infant's avoidance of aversive situations is limited due to their immature motor development, so they resort to simple avoidance tactics such as turning the head, gaze avoidance and crying. These types of behaviours are attempts at modulating their emotional arousal state. Modulation or emotional self-regulation refers to the strategies we use to adjust our emotional state to a level of intensity we feel comfortable with.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सम्बंधित पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

एक प्रौढ के रूप में हम अपने स्वयं की संवेगात्मक अभिव्यक्तियों और अविरत बोध एवं दूसरे की संवेगात्मक अवस्थाओं का एक संश्लिष्ट प्रवृत्ति का विकास करते हैं। शिशु में दो नैसर्गिक अल्पविकसित संवेगात्मक उद्बोधन की अनुक्रिया होती हैं जो उद्दीपन करती हैं जिसे उपागम और और परिवर्जन/ परिहार के रूप में संदर्भित किया जाता है। शिशु के संवेगात्मक जीवन में इन दो उद्बोधनों से अधिक कुछ और होता है: एक प्रीतिकर उत्प्रेरणा के प्रति आकर्षण, इस कारण उपागम और प्रत्याहार या अप्रीतिकर उत्प्रेरणा का परिहार निष्कर्षतः प्राप्त होना है। इससे प्राप्त होता है कि यह संवेगात्मक उद्बोधन की प्रकृति है और एक नवजात में विद्यमान होती है, उपागम-परिहार अनुक्रिया पूर्ण क्रम विकास संवेदना निर्मित करती है। यह सब नवजात की आवश्यकताएं हैं और उनके जीवन पर्यंत विकास का संयोजन है। यह भी सुझाव दिया जा सकता है कि नवजात दूसरों की संवेगात्मक आनन अभिव्यक्ति में निहित अर्थों के नैसर्गिक बोधगम्यता के साथ पैदा होते हैं। इसलिए यदि देखभालकर्ता विनोदशील भंगिमा बनाता है और प्रसन्नचित आनन अभिव्यक्ति करता है तब शिशु भी उद्बोधनात्मक अवस्था के उपागम में होगा और अभिनीत अभिव्यक्ति का प्रतिबिंबन करते हुए प्रायः सकारात्मक रूप से अनुक्रिया करेगा। यद्यपि इसके विपरीत भी हो सकता है। जब माता-पिता अवसादपूर्ण भंगिमा बनाते हैं, तब शिशु में परिहार उद्बोधन की स्थिति दिखाई देती है। इन परिस्थितियों के अंतर्गत शिशु असहज महसूस करेगा और स्थिति में परिवर्तन की चाह करेगा। परिहार उद्बोधन कि दशा में शिशु माता-पिता/ अभिभावक के व्यवहार में परिवर्तन के लिए ध्यानाकर्षण हेतु प्रदर्शित व्यवहारों जैसे चिल्लाना, 'मुझे गोदी में उठालो' का संकेतन या वस्तु जैसे शमक या कंबल के किनारे को चूसने का प्रयोग करता है। माता-पिता के सतत अवसाद का शिशु के सामान्य सामाजिक-संवेदनात्मक विकास पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इससे बच्चे की नींद प्रवृत्ति (शयन प्रतिरूप) चिड़चिड़ापन के स्तर में वृद्धि, क्रोध तथा चिन्ताग्रस्तता में परिवर्तन हो सकता है। एक शिशु की प्रतिकूल स्थितियों का परिहार सीमित है क्योंकि उसका शारीरिक विकास अपरिपक्व होता है, इसलिए वे सामान्य परिहार युक्तियों जैसे सिर घुमाना, एक टक देखते हुए परिहार प्रदर्शित करना और चिल्लाने के व्यवहार का सहारा लेते हैं। व्यवहारों के ये रूप उनके संवेदात्मक उद्बोधन अवस्था के अनुकूलन के प्रयास हैं। अनुकूलन या संवेगात्मक आत्मनियमन का संदर्भ उन रणनीतियों के लिए किया जाता है जिनका अपने को सहज महसूस करने हेतु अपने संवेगात्मक तीव्रता स्तर को समायोजित करने के लिए हम प्रयोग करते हैं।

Continued parental despondency could cause which of the following changes in an infant?

A. Alteration in sleep pattern

B. Increasingly irritable behaviour

C. Reduction in anxiety levels

D. Increased anger

Choose the ***correct*** answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. A, B and D only
3. B, C and D only
4. A, B, C and D

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

अभिभावक (माता-पिता) की सतत उदासी के कारण एक शिशु में निम्नलिखित में कौन-से परिवर्तन हो सकते हैं ?

A. शयन के प्रतिरूप में परिवर्तन

B. चिड़चिड़ेपन व्यवहार में वृद्धि

C. चिंताग्रस्तता स्तरों में कमी

D. क्रोध में वृद्धि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. केवल A, B और C
2. केवल A, B और D
3. केवल B, C और D
4. A, B, C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=23097]
2[Option ID=23098]
3[Option ID=23099]
4[Option ID=23100]